राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

समाचार गेट

वर्ष :1, अंक : 104, पेज 8, मूल्य 1 रुपए शनिवार 29 जून 2024 TITLE CODE: HARHIN11569

भारत को मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ लड़ाई में मिली बड़ी सफलता

नई दिल्ली: फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ भारत की कोशिशों की सराहना की है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने 2023-24 के दौरान भारत का मूल्यांकन किया था, जिसकी रिपोर्ट को जून 26-28 को सिंगापुर में हुई बैठक में अपनाया गया है। इस रिपोर्ट में भारत को रेग्युलर फॉलोअप कैटेगरी में रखा गया है, जो ऋ20 देशों में सिर्फ चार अन्य देशों को ही प्राप्त है। यह भारत के लिए मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने भारत के इन प्रयासों की सराहना की भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और संगठित अपराध से आए पैसे को मनी लॉन्ड्रिंग में बदलने के खतरों को कम करना। नकदी रहित अर्थव्यवस्था की तरफ बढ़ने के लिए उठाए गए कदम, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग का खतरा कम होता है। जन धन योजना, आधार और मोबाइल जैसी योजनाओं को लागू करना और नकद लेन-देन पर सख्त नियम बनाने से वित्तीय समावेशन और डिजिटल लेन-देन में काफी बढ़ोतरी हुई है। इससे लेन-देन पर नजर रखना आसान हो गया है, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग का खतरा कम हुआ है और वित्तीय समावेशन बढ़ा है। अच्छी रेटिंग का भारत पर क्या प्रभाव पड़ेगा? भारत के अच्छे प्रदर्शन से देश की बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा। यह भारत की वित्तीय प्रणाली की मजबूती और पारदर्शिता को दर्शाता है। अच्छी रेटिंग से भारत को वैश्विक वित्तीय बाजारों और संस्थानों तक आसानी से पहुंच प्राप्त

होगी, जिससे विदेशी निवेशकों का भरोसा भी बढ़ेगा। इससे भारत की तेजी से बढ़ती हुई पेमेंट प्रणाली, वहक के वैश्विक विस्तार को भी मदद मिलेगी। गौरतलब है कि भारत पहले से ही फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की संचालन समिति का सदस्य है। इस अच्छी रेटिंग से भारत को समूह के कामकाज में और भी महत्वपूर्ण योगदान करने का मौका मिलेगा। वित्त मंत्रालय ने क्या कहा वित्त मंत्रालय के मुताबिक फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की मान्यता पिछले 10 सालों में भारत द्वारा उठाए गए उन सख्त और प्रभावी कदमों को सम्मानित करती है, जिनसे देश की वित्तीय प्रणाली को मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग के खतरों से बचाया जा सका है। ये रेटिंग दर्शाती हैं कि भारत अंतरराष्ट्रीय मानकों के लिए प्रतिबद्ध है और वित्तीय अपराधों के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यह हमारे क्षेत्र के देशों के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों को लागू करने का एक उदाहरण स्थापित करता है। भारत की इस शानदार रेटिंग से देश की सीमा पार मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग रोकने के वैश्विक प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभाने की क्षमता बढ़ेगी। वित्त मंत्रालय ने ये भी कहा कि भारत भविष्य में भी अपने धन-शोध निरोधी और आतंक के वित्तपोषण रोधी ढांचे को और मजबूत करने और वित्तीय अपराधों से लड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत इस सफलता पर आगे बढ़ते हुए सभी के लिए एक सुरक्षित और पारदर्शी वित्तीय वातावरण सुनिश्चित करेगा। क्या है FATF?

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी FATF मनी लॉन्ड्रिंग, टेरर फंडिंग और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था की मजबूती को खतरा पहुंचाने वाले अन्य अपराधों को रोकने के लिए बनाया गया एक अंतर-सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना 1989 में हुई थी। भारत 2010 में फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स का सदस्य बना।

धार्मिक आजादी पर ज्ञान दे रहे अमेरिका को भारत की फटकार

नई दिल्ली: भारतीय विदेश मंत्रालयने अमेरिकी विदेश विभाग की अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर रिपोर्ट की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे पूरी तरह से पक्षपाती और भारत की सामाजिक संरचना को समझे बिना बताया है। मंत्रालय ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया, जिसमें सुझाव दिया गया था कि यह राष्ट्रपति चुनाव से पहले वोटबैंक के विचारों से प्रेरित है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि रिपोर्ट में भारत के खिलाफ पूर्वाग्रहपूर्ण बयान को आगे बढ़ाने के लिए चुनिंदा घटनाओं को शामिल किया गया है। विदेश मंत्रालय ने खारिज की अमेरिकी रिपोर्ट विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंजीर जायसवाल ने कहा, 'हमने अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा 2023 के लिए अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर जारी रिपोर्ट को देखा है। अतीत की तरह, यह रिपोर्ट पूरी तरह से पक्षपाती है, भारत की सामाजिक संरचना को समझने में कमी है, और स्पष्ट रूप से वोटबैंक के विचारों और हस्तक्षेप करने की मानसिकता से प्रेरित है। इसलिए हम इसे खारिज करते हैं।' अमेरिकी रिपोर्ट की भारत ने की आलोचना रंजीर जायसवाल ने इस रिपोर्ट की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इसमें कई गलत आरोप, गलत जानकारी , तथ्यों का गलत चुनाव और भेदभावपूर्ण स्रोतों पर निर्भरता है। साथ ही, यह रिपोर्ट भारत के धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े मुद्दों को एकतरफा दिखाती है। उन्होंने यह भी कहा कि रिपोर्ट में भारत के संविधान और कानून को गलत बताया गया है। रिपोर्ट कुछ कानूनों और नियमों की वैधता पर भी सवाल उठाती है। रिपोर्ट यह भी प्रश्न करती है कि क्या भारतीय विधायिका के पास ये कानून बनाने का अधिकार है, और यहां तक कि भारतीय अदालतों के फैसलों की निष्पक्षता को भी चुनौती देती है। अमेरिकी रिपोर्ट में किस बात पर बवाल? विदेश मंत्रालय ने भारत में आने वाले धन के लेन-देन को नियंत्रित करने वाले नियमों की रिपोर्ट द्वारा की गई आलोचना को भी गलत बताया है। रंजीर जायसवाल ने यह भी कहा कि अमेरिका के अपने ऐसे ही नियमों का पालन करना और ज्यादा कठिन है। अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट में भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हिंसा, घर वापसी और धार्मिक स्थलों पर हमले जैसे मुद्दों को उठाया गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिकी अधिकारियों ने पूरे साल भारत के साथ धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर चिंता जताई है। भारत ने अमेरिका को दी नसीहत भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंजीर जायसवाल ने इस रिपोर्ट को गलत बताया है। उनका कहना है कि मानवाधिकार और विविधता भारत और अमेरिका के बीच चर्चा का एक प्रमुख विषय रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि भारत ने 2023 में अमेरिका में घृणा अपराध, भारतीयों और अन्य अल्पसंख्यकों पर नस्लीय हमले, पूजा स्थलों पर हमले, कानून प्रवर्तन द्वारा हिंसा और दुर्व्यवहार, और विदेशों में चरमपंथ और आतंकवाद के समर्थकों को राजनीतिक जगह दिए जाने के कई मामलों को आधिकारिक रूप से उठाया है। रंजीर जायसवाल ने यह भी चेतावनी दी है कि इस तरह की बातचीत किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल देने का लाइसेंस नहीं बननी चाहिए।

दुष्यंत चौटाला ने कांग्रेस पर डाले डोरे!

चंडीगढ़: हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री और जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दुष्यंत चौटाला बीजेपी के साथ गठबंधन के मुद्दे पर खुलकर सामने आए। उन्होंने कहा है कि जेजेपी को बीजेपी के साथ गठबंधन करके भारी नुकसान उठाना पड़ा। भविष्य में बीजेपी के साथ जाने का कोई औचित्य नहीं है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश की जनता में बीजेपी के प्रति भारी रोष था, जिसका खमियाजा जेजेपी को भुगतना पड़ा। हरियाणा में राज्यसभा की एक सीट पर होने वाले चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी मिलकर खेल रहे हैं। अगर कांग्रेस असलियत में बीजेपी को टक्कर देना चाहती है तो सांझा सामाजिक राज्यसभा उम्मीदवार उतारे, हम साथ देने को तैयार हैं। कांग्रेस पहले

ही मैदान छोड़ रही है, भूपेंद्र हुड्डा की ओर से नंबर न होने की बात कहना बीजेपी के साथ मैच फिक्सिंग दिखाता है। कांग्रेस किसी भी सामाजिक व्यक्ति या किसी खिलाड़ी को राज्यसभा में भेजे, विपक्ष पूरी तरह से एकजुट होगा।

वैज्ञानिक नंबी नारायणन को फंसाने का लगा आरोप

नई दिल्ली: सीबीआई ने 1994 के इसरो जासूसी मामले में अंतरिक्ष वैज्ञानिक नंबी नारायणन को कथित तौर पर फंसाने के सिलसिले में दो पूर्व डीजीपी, केरल के सिबी मैथ्यूज और गुजरात के आर बी श्रीकुमार के अलावा तीन अन्य सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद 2021 में दर्ज इस मामले में सीबीआई ने तीन साल बाद चार्जशीट दायर की है। इन अधिकारियों के खिलाफ चार्जशीट दायर सीबीआई ने तत्कालीन पुलिस उप महानिरीक्षक मैथ्यूज के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है, जिन्होंने 1994 के भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जासूसी मामले की पड़ताल करने वाले एसआईटी का नेतृत्व किया था। इसके अलावा श्रीकुमार, जो उस समय खुफिया ब्यूरो में उप निदेशक थे, एसआईबी-केरल में

तैनात पी एस जयप्रकाश, तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक के के जोशुआ और निरीक्षक एस विजयन के खिलाफ भी चार्जशीट दाखिल की गई। 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने दिया था आदेश अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने उन पर आईपीसी की धाराओं 120बी (आपराधिक साजिश), 342 (गलत तरीके से बंधक बनाना), 330 (स्वीकारोक्ति करवाने के लिए स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 167 (झूठे दस्तावेज तैयार करना), 193 (मनगढ़ंत सबूत तैयार करना), 354 (महिलाओं पर आपराधिक हमला) के तहत आरोप लगाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल, 2021 को आदेश दिया था कि इसरो के वैज्ञानिक नारायणन से जुड़े 1994 के जासूसी मामले में दोषी पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर एक उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट सीबीआई को दी जाए। क्या था पूरा मामला? केरल पुलिस ने अक्टूबर 1994 में दो मामले दर्ज किए थे, जब मालदीव की नागरिक रशीदा को तिरुवनंतपुरम में गिरफ्तार किया गया था। उस पर आरोप था कि उसने पाकिस्तान को बेचने के लिए इसरो के रॉकेट इंजन के गोपनीय चित्र प्राप्त किए थे। इस मामले में इसरो में क्रायोजेनिक परियोजना के तत्कालीन निदेशक नारायणन को तत्कालीन इसरो उपनिदेशक डी शशिकुमारन के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा रशीदा की दोस्त फौजिया हसन को गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई जांच में यह आरोप झूठे पाए गए थे।

भारत सरकार के लिए उधारी जुटाना हो जाएगा आसान

नई दिल्ली: भारतीय बॉन्ड शुक्रवार से जेपी मॉर्गन ग्लोबल बॉन्ड इंडेक्स में शामिल होने के बाद से ही ग्लोबल हो गए हैं। बाजार जानकारों को उम्मीद है कि इससे भारत में हर महीने लगभग 2-3 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आएगा। यह भारतीय बाजारों की पूरी तस्वीर ही बदल देगा। सरकार के लिए यह कर्ज जुटाने की लागत को काफी हद तक कम कर देगा। इसका अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है। पिछले साल अक्टूबर में इस घोषणा के बाद से नॉन-रेजिडेंट्स ने भारतीय सरकारी बॉन्डों में लगभग 10 अरब डॉलर झोंके हैं। वरऊ सेंटेल ड क्लफ-डिनॉमिटेड सुपरनेशनल बॉन्ड के जरिये अतिरिक्त 5 अरब डॉलर का निवेश किया है। हर महीने 2-3 अरब डॉलर आने का रास्ता खुलेगा स्टैंडर्ड चार्टर्ड की पारुल मित्तल सिन्हा ने कहा, अच्छे मैक्रो और एक स्थिर मुद्रा के साथ भारत मजबूत डायवर्सिफिकेशन ऑप्शन है। इसके बाद हर महीने 2-3 अरब डॉलर के विदेशी प्रवाह की उम्मीद है। अमेरिका की ओर से ब्याज दरों में कटौती के साथ इस फ्लो में तेजी आने की संभावना है। जून में अकेले 2.3 अरब डॉलर के निवेश के साथ मार्च 2025 के अंत तक इंडेक्स ट्रैकर्स का भारत को आवंटित भार 10 फीसदी होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस इंक्लूजन से उभरते बाजारों में विकसित बाजारों के प्रवाह को फिर से जीवंत करने में मदद मिल सकती है। शुक्रवार से 1 फीसदी की दर से पैसिव फंड इंक्लूजन के साथ पूर्ण फुल वेटेज तक कुल 25-30 अरब डॉलर का निवेश होगा। IIFL सिक्योरिटीज के जीवी गिरि के मुताबिक, ट्रेडर्स पहले से ही इस इंक लूजन के लिए प्री-पोजीशनिंग कर रहे हैं। छोटे फंड पार्टिसिपेटरी नोटों के जरिये भारतीय बॉन्ड में निवेश कर सकते हैं। अप्रैल 2025 तक ऐक्टिव फंडों सहित कुल निवेश लगभग 30-35 अरब डॉलर (सितंबर 23 से शुरू) तक पहुंच सकता है। जेपी मॉर्गन इंडेक्स में भारतीय बॉन्ड शामिल एक ऐतिहासिक घटना में भारतीय सरकारी बॉन्ड को खद मॉर्गन ग्लोबल गवर्नमेंट बॉन्ड इंडेक्स में शामिल किया गया। यह कदम भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह विदेशी निवेश को आकर्षित करने, ब्याज दरों को कम करने और रुपये को मजबूत करने में मदद करेगा। यह भारतीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगा। यह केवल सरकारी बॉन्ड के लिए है, न कि कॉरपोरेट बॉन्ड के लिए। रुआती तौर पर केवल 10% भारतीय सरकारी बॉन्ड को इंडेक्स में शामिल किया जाएगा। धीरे-धीरे यह हिस्सेदारी 30% तक बढ़ाई जाएगी। ऋक-एट इंडेक्स दुनिया का सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला उभरते बाजारों के सरकारी बॉन्ड वाला इंडेक्स है। इसमें शामिल होने से भारतीय सरकारी बॉन्ड विदेशी निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक हो जाएंगे।

भारत की जीत हजम नहीं कर पा रहे थे माइकल वॉन

नई दिल्ली: टीम इंडिया ने ळ20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर 10 साल बाद टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवरों में 171 रन बनाए, जिसमें कप्तान रोहित शर्मा ने 57 रन और सूर्यकुमार यादव ने 47 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने 3-3 विकेट लिए और इंग्लैंड को सिर्फ 103 रन पर ढेर कर दिया। इस जीत के साथ भारत अब फाइनल में पहुंच गया है। उनका सामना फाइनल में 29 जून को इन फॉर्म साउथ अफ्रीका से होना है। माइकल वॉन का अश्विन ने उड़ाया मजाक इस मैच के दौरान इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने सोशल मीडिया पर भारत की जीत की तारीफ की। वहीं, भारतीय ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने उनके ट्वीट पर मजेदार

जवाब दिया। माइकल वॉन ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'भारत फाइनल में जाने का हकदार है। पूरे टूर्नामेंट में सबसे अच्छी टीम। इस पिच पर इंग्लैंड के लिए तो मुश्किल ही था। धीमी और स्पिन लेती पिचों पर भारत बहुत बेहतर है।' इसके जवाब में अश्विन ने गणित का सहायता लेते हुए पूर्व इंग्लिश खिलाड़ी का जमकर मजाक उड़ाया।

कांग्रेस के दावों पर बीजेपी नेता अमित मालवीय का पटलवार

नई दिल्ली: दिल्ली में मॉनसून की पहली बारिश राजधानी के लोगों के लिए आफत बन गई है। पहली ही बारिश की वजह से जहां कई जगहों पर जलभराव हुआ तो वहीं दिल्ली के टर्मिनल-1 पर बड़ा हादसा हो गया। जिसमें एक शख्स की मौत भी हो गई और कई लोग घायल हो गए। टर्मिनल-1 पर छज्जा गिरने पर कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि एयरपोर्ट के छत का जो हिस्सा गिरा है उसका उद्घाटन पीएम मोदी ने 10 मार्च को किया था। मल्लिकार्जुन खरगे को केंद्रीय मंत्री ने किया खारिज हालांकि केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने मल्लिकार्जुन खरगे के इस दावे को खारिज कर दिया। केंद्रीय मंत्री ने हादसे वाली जगह का दौरा करने के बाद कहा कि एयरपोर्ट के छत का जो हिस्सा गिरा है वो 2009 में बने छत का हिस्सा है। इसका उद्घाटन पीएम मोदी ने नहीं किया था। मंत्री ने आगे कहा कि हम इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन की गई इमारत दूसरी तरफ है और यहां जो इमारत गिरी है वह एक पुरानी इमारत है और 2009 में इसका उद्घाटन किया गया था। जीएमआर ने इस काम का ठेका निजी ठेकेदारों को दिया था। इस तरह से पूरे दिन एयरपोर्ट की छत गिरने पर कांग्रेस और बीजेपी के बीच सोशल मीडिया वॉर चलती रही। आइए आपको दिखाते हैं कि किसने क्या आरोप- प्रत्यारोप लगाए हैं। कांग्रेस महासचिव और अध्यक्ष ने केंद्र पर साधा निशाना कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दिल्ली एयरपोर्ट पर हुए हादसे पर सवाल उठाते हुए कहा कि मार्च में प्रधानमंत्री जी ने दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल-1 का उद्घाटन किया था आज उसकी छत ढह गई जिसमें एक कैब ड्राइवर की दुखद मृत्यु हो गई। तीन महीने पहले प्रधानमंत्री जी ने जिस जबलपुर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था उसकी भी छत ढह गई। अयोध्या में निर्माण कार्यों के खस्ताहाल पर पूरा देश दुखी है। यह भाजपा का चंदा लो और धंधा दो का भ्रष्टाचारी मॉडल है जिससे अब पर्दा उठ चुका है। सवाल यह है कि प्रधान उद्घाटन मंत्री जी क्या इन घटिया निर्माण कार्यों और इस भ्रष्टाचारी मॉडल की जिम्मेदारी लेंगे? इतना ही नहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए

लिखा-भ्रष्टाचार और आपराधिक लापरवाही मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों में ताश के पत्तों की तरह ढहने वाले घटिया बुनियादी ढांचे के लिए जिम्मेदार हैं। दिल्ली एयरपोर्ट (ळ1) की छत का गिरना, जबलपुर एयरपोर्ट की छत का गिरना, अयोध्या की नई सड़कों की खस्ता हालत, राम मंदिर में रिसाव, मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक रोड में दरारें, 2023 और 2024 में बिहार में 13 नए पुल गिरना, प्रगति मैदान सुरंग का जलमग्न होना, गुजरात में मोरबी पुल का ढहना त्रासदी कुछ ऐसे स्पष्ट उदाहरण हैं जो मोदी जी और भाजपा के विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा बनाने के बड़े दावों की पोल खोलते हैं। 10 मार्च को जब मोदी जी ने दिल्ली एयरपोर्ट ळ1 का उद्घाटन किया, तो उन्होंने खुद को दूसरी मिट्टी का इंसान कहा। इसके बाद पार्टी के अध्यक्ष ने पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते लिखा कि दिल्ली एयरपोर्ट त्रासदी के पीड़ितों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना। उन्होंने एक भ्रष्ट, अयोग्य और स्वार्थी सरकार का खामियाजा भुगता है। वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए एक्स पर लिखा कि दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल-1, जिसका उद्घाटन मार्च में प्रधानमंत्री ने किया था, आज इसकी छत गिर गई, जिसमें एक कैब ड्राइवर की दुखद मौत हो गई। जबलपुर एयरपोर्ट की छत, जिसका उद्घाटन तीन महीने पहले प्रधानमंत्री ने किया था वो भी गिर गई। अयोध्या में निर्माण कार्य की खराब स्थिति से पूरा देश दुखी है। उन्होंने पीएम से जिम्मेदारी लेने के लिए भी सवाल किया और कहा कि यह भाजपा का दान लो और व्यापार दो का भ्रष्ट मॉडल है, जो अब उजागर हो गया है। सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री इन घटिया निर्माण कार्यों और इस भ्रष्ट मॉडल की जिम्मेदारी लेंगे? बीजेपी ने नेता अमित मालवीय ने किया पलटवार कांग्रेस के कई नेताओं के ट्वीट पर बीजेपी नेताओं ने भी जमकर पलटवार किया। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कांग्रेस की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान जिसने भी सबसे बड़ी रिश्वत भेजी, उसे ठेके दे दिए गए। टी1 का जो हिस्सा ढह गया, उसे 2009 में खोला गया था जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सत्ता में थी। उन दिनों गुणवत्ता जांच की कोई अवधारणा नहीं थी और जिसने भी सत्तारूढ़ कांग्रेस को सबसे बड़ी रिश्वत भेजी, उसे ठेके दे दिए गए। उन्होंने आगे लिखा कि सोनिया गांधी, जो उस समय सुपर पीएम थीं, को जवाब देना चाहिए। दिल्ली एयरपोर्ट पर शुक्रवार सुबह हादसे में मारे गए व्यक्ति के परिजनों को 20 लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया गया है। साथ ही दिल्ली एयरपोर्ट ने कहा है कि सभी घायलों को तीन-तीन लाख रुपए का मुआवजा दिया जावगा। भारी बारिश के बाद शुक्रवार को एयरपोर्ट के टर्मिनल वन पर छत गिरने से हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। दिल्ली एयरपोर्ट ने एक्स पर कहा है कि टर्मिनल वन की सभी फ्लाइट रात 11 बजे तक टर्मिनल दो और तीन से जाएंगी और लैंड करेंगी।

बरसात के दौरान कहीं पर भी उत्पन्न नहीं होनी चाहिए जलभराव की स्थिति : जिला नगरायुक्त

एडीसी एवं जिला नगरायुक्त अनुपमा अंजलि ने शहर के नालों की सफाई का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। एडीसी एवं जिला नगरायुक्त अनुपमा अंजलि ने मानसून सीजन में बरसात के कारण पैदा होने वाली जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए शुक्रवार को संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ शहर के नालों की सफाई का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि बरसात के दौरान कहीं पर भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए, इसके लिए संबंधित विभाग जिम्मेदार होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि शहर में कोई भी नाला बिना सफाई के नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानसून सीजन में बरसात के मद्देनजर जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए टीम पूरी तरह अलर्ट रहें और फील्ड में जाकर संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा करें ताकि जिला में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग बरसात के मद्देनजर पानी निकासी की समुचित व्यवस्था कराना लिए मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का पूरा प्रयास है कि नागरिकों को बरसात के कारण किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े और यह तभी संभव है जब संबंधित विभाग आपसी तालमेल व समन्वय से कार्य करते हुए स्थिति पर नजर रखें। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बरसात होने की संभावना के साथ ही टीम के साथ अलर्ट हो जाएं। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग जलभराव की समस्या से निजात पाने के लिए कर्मचारियों को जल निकासी के लिए उपकरण व संसाधन उपलब्ध करवाएं। सुनिश्चित करें। एडीसी ने निर्देश दिए कि जनस्वास्थ्य विभाग, शहरी निकाय, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में जलभराव न हो इसके

एडीसी अनुपमा अंजलि ने कहा कि संबंधित अधिकारी अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में जलभराव की मॉनिटरिंग करते हुए उन्हें रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने रेवाड़ी, धारूहेड़ा व बावल शहरी क्षेत्र सहित ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए नगर परिषद, सिंचाई व जनस्वास्थ्य विभाग के साथ ही लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को जल निकासी के लिए व्यापक प्रबंध सुनिश्चित करने बारे सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के मद्देनजर जहां कहीं भी जलभराव की स्थिति पैदा होती है वहां संबंधित विभाग जल निकासी के लिए तत्परता से कार्यवाही करते हुए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें। उन्होंने नालों की सफाई करने के आदेश देते हुए कहा कि नालों की सफाई न होने के कारण जलभराव न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। सभी नाले साफ होने चाहिएं। उन्होंने कहा कि एमसी एरिया में बहुत सी ऐसी जगह है जहां पर जलभराव की अधिक समस्या है। इन सभी जगहों पर मेनपावर लगाने के साथ-साथ पंप सेट भी लगाए जाएं।

कई कालोनीवासियों ने कॉलोनी अप्रूव्ड करने के लिए मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। शहर के दर्जनों कॉलोनी वासियों ने आज भाजपा नेता सतीश खोला के माध्यम से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी को गढ़वाल कॉलोनी, रामसिंहपुरा व दुर्गा कॉलोनी के कुछ हिस्से को अप्रूव करने के लिए मांग पत्र दिया।

उन्होंने कहा कि मौहल्ला राम सिंह पुरा पहले से ही अप्रूव्ड है परंतु गली नंबर 1 के साथ वाला हिस्सा लगभग 25 से 30 एकड़ का एरिया अनअप्रूव्ड कर दिया गया। नगर परिषद रेवाड़ी ने कुछ प्लाटों व मकान की प्रॉपर्टी आईडी भी बना दी गई थी वहां पर विकास कार्य भी हो रहे थे लोगों ने यहां पर प्लाट भी खरीदे हुए हैं आधे से ज्यादा मकान भी बनाए हुए हैं परंतु आठ नौ महीने पहले इस जगह को अन अप्रूव्ड कर दिया गढ़वाल कॉलोनी पहले से अप्रूव्ड थी जिसे नगर परिषद रेवाड़ी में हाउस टैक्स, डेवलपमेंट चार्ज जमा किया हुआ है।वार्ड नंबर 28 के वोटर भी है परंतु इस कॉलोनी को भी 8महीने पहले अनअप्रूव्ड कर दिया ।

दुर्गा कॉलोनी के साथ गली नंबर 6,7,8,9 में कुछ हिस्सा रोड के साथ ही अप्रूव किया जाए ताकि इसमें भी विकास कार्य हो सके।

रामसिंहपुरा के साथ गली नंबर 15 ए, 15 बी, 15 सी, 15 डी, 15 ए, 15 एफगलियां भी अनअप्रूव्ड कर दी गई इन गलियों में भी वार्ड नंबर 28 की वोट हैं और सारे के सारे दस्तावेज वार्ड नंबर 28 के है। ज्ञापन पर रमेश कुमार नगर पार्षद, रामनारायण, संतोष, लोकेश, सुरेश, सविता, कमलेश, धर्मवीर प्रधान, शिवकुमार, माया, रोहतास, प्रमोद, नवीन कुमार, नरेंद्र, हेमंत, प्रेम, रघुवीर सिंह, कमलेश, ईश्वर दत्त जोशी समेत दर्जनों नागरिकों ने हस्ताक्षर किए।

शेरा कंपनी ने होजरी व्यापारियों के लिए निकाला लक्की ड्रा

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। दिल्ली- जयपुर हाइवे पर कसौला चौक के नजदीक रॉयल पेपर रिसोर्ट में शेरा होजरी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एक विशाल रिटेलर्स मीट का आयोजन अरोड़ा ट्रेडर्स के द्वारा सम्मन हुआ।

इस अवसर और शेरा होजरी के सभी ब्रांड व इरा कॉमैट ब्रांड के उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई,

जिसमें शेरा के अनंत वस्त्रों के साथ साथ रेडीमेड उत्पादों जैसे कॉमेट, लौंग ट्रंक, मिनी ट्रंक, लायक्रा ट्रंक बनियान, जिम वेस्ट , बरमुण्डा, पैंटी , गंजी , जैंबिया इत्यादि उत्पादों की विस्तृत रेंज उपलब्ध कराई गई। रिटेल मीट में कंपनी के निदेशक अजय कुमार चौधरी कोलकाता से मुख्य रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने खुदरा व्यापारियों को संबोधित करते हुए उत्पादों की गुणवत्ताके बारे में विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान ज़िले भर से लगभग 500 खुदरा व्यापारियों ने बढ़चढ़ के भाग लिया। इस मोके पर कंपनी के ओर से एक लकी ड्रा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे ऑर्डर की पूर्ति करने वाले व्यापारियों को कंपनी की ओर से पुरुस्कार वितरित किए गये। जिन व्यापारियों ने नगद पैसा दिया उन व्यापारियों का भी लकी ड्रा किया गया। कार्यक्रम के अंत में अरोड़ा ट्रेडर्स रेवाड़ी के चेयरमैन दिनेश अरोड़ा ने भी सभी व्यापारियों का और कंपनी के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

एसपी गौरव राजपुरोहित ने संभाला रेवाड़ी का कार्यभार

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। सोनीपत से स्थानांतरित होकर आए एसपी गौरव राजपुरोहित, आईपीएस ने शुक्रवार को जिला रेवाड़ी का कार्यभार संभाल लिया है। रेवाड़ी पहुंचने पर डीएसपी हेडक्वार्टर पवन कुमार, डीएसपी ट्रैफिक आशीष चौधरी व सभी शाखा इंचार्जों ने बुक्के भेंट कर उनका स्वागत किया। आज सुबह लघु सचिवालय रेवाड़ी पहुंचने पर पुलिस सलामी के साथ उनका जोरदार स्वागत किया गया।

एसपी गौरव राजपुरोहित 2018 बैच के पुलिस अधिकारी हैं। वह दिल्ली आईआईटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियर से बीटेक हैं। उन्होंने डीसीपी ईस्ट सोनीपत के अलावा एएसपी असंध के तौर पर भी सेवाएं दी हैं। कार्यभार संभालते ही उन्होंने डीएसपी हेडक्वार्टर पवन कुमार, डीएसपी ट्रैफिक आशीष चौधरी के साथ बातों की और जिले की सुरक्षा संबंधी जानकारी लेकर क्राइम कंट्रोल करने के लिए कड़े दिशा निर्देश दिए।

जिला रेवाड़ी का कार्यभार संभालने के बाद पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित पहली बार जिला के मीडियाकर्मियों से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने मीडियाकर्मियों से रेवाड़ी जिले से संबंधित विभिन्न प्रकार की समस्याओं बारे भी जानकारी हासिल की और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करते हुए जल्द ही रोडमैप तैयार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जिले को अपराध मुक्त करने के लिये भरसक प्रयास किए जाएंगे। महिलाओं की सुरक्षा, बढ़ते साइबर अपराधो व नशे की रोकथाम उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। रेवाड़ी शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने और सडक दुर्घटनाओं को रोकने के लिए भी पुलिस प्रशासन की ओर से हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। 01 जुलाई से लागू होने वाले तीन नए कानूनों को सफलता पूर्वक लागू करवाया जायगा। ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई ना हो, जिसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते रेवाड़ी पुलिस द्वारा पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने कहा कि पीड़ित फरियादों की प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई कर उसे शीघ्र अति शीघ्र न्याय दिलवाया जाएगा। एसपी ने कहा कि समय समय पर आमजन के साथ बैठक कर उनका सहयोग लिया जाएगा और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर डीएसपी कोसली जयसिंह भी मौजूद रहे।

ओआरबी के कार्य को मिली गति, विधायक चिरंजीव राव का जताया आभार

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। भाडावास फाटक पर ओवर ब्रिज व अंडर ब्रिज निर्माण कार्य को लंबे इंतजार के बाद गति मिल गई है। जिसके लिए स्थानीय निवासियों जसबीर चौधरी, मनोज, महावीर निनानिया, पार्षद दीपक सैनी, राम अवतार खवडी पूर्व पार्षद, रितेश गुप्ता, संपन्न गोयल, मुकुट अग्रवाल, बाबूलाल यादव, कर्मवीर सोनी, हर्ष शर्मा इतियादि ने रेवाड़ी से कांग्रेसी विधायक चिरंजीव राव का आभार जताया है। स्थानीय निवासियों ने मॉडल टाउन स्थित पहुंचकर पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव को मुंह मीठा कराकर और फूलों का बुका देकर धन्यवाद किया। स्थानीय निवासियों ने बताया काफी समय से ओआरबी का कार्य कछुआ गति से चल रहा था जिसके चलते हैं हमने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन भी किया था।

धरना प्रदर्शन में विधायक चिरंजीव राव भी पहुंचे थे और उन्होंने मौके से ही संबंधित अधिकारियों को फोन भी किया था और रेल मंत्री के नाम पत्र भी लिखा था जिसमें उन्होंने ओआरबी के कार्य को जल्द पूरा करने के लिए कहा था। उसी का परिणाम है कि ओआरबी के निर्माण कार्य को गति मिल गई है और बीरवार को दिल्ली जयपुर रेलवे लाइन 7 घंटे ब्लॉक रखने के बाद अंडरपास के लिए कंक्रिट के बॉक्स डालने का काम किया गया। अंडरपास में कंक्रीट के 17 बॉक्स डाल दिए गए हैं और एक-दो दिन में बाकी बॉक्स भी डाल दिए जाएंगे।पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा इस ओआरबी का कार्य पिछले वर्ष जून में पूरा होना था लेकिन सरकार के उदासीन रवैये के चलते कार्य अभी तक पूरा नहीं हो सका है। जिसके चलते चार कॉलोनी व दर्जनों गांवों के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

श्रद्धांजलि सभा में शहीद विजेंद्र शर्मा को किया याद

समाचार गेट/ सोनिका सूरा

सिवानी। उपमंडल के गांव मतानी में शहीद विजेंद्र शर्मा की 22 वी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

शहीद विजेंद्र 25 जून 2002 को कुपवाड़ा में उग्रवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हो गए थे। शुक्रवार को मतानी गांव में रिटायर्ड कर्नल जगत सिंह तंवर रिटायर्ड कैप्टन राजेश तंवर,मेजर नरेंद्र शर्मा,रमेश शर्मा ने शहीद विजेंद्र शर्मा की मूर्ति पर पुष्प अर्पित किए बाद में शहीद की याद में पोधा रोपण किया। इस अवसर पर गांव के अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संत कबीरदास की शिक्षाएं पूरे समाज के लिए हैं प्रेरणादायक

समाचार गेट/ सोनिका सूरा

सिवानी। प्रदेश के वित्त मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि संत शिरोमणि कबीरदास उन महान संतो में अग्रणी थे, जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में व्याप्त बुराईयों को दूर करने में अहम भूमिका निभाई। संत कबीरदास जैसे महान संतों की शिक्षाएं पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। संत कबीर संपूर्ण मानव जाति के पथ प्रदर्शक थे। उनकी शिक्षाएं सैंकड़ों सालों बाद आज भी प्रासंगकि हैं। सरकार संतों के बताएं मार्ग पर चलकर सभी वर्गों का भला किया है वित मंत्री श्री दलाल शुक्रवार को सिवानी में संत कबीर सेवा समिति द्वारा संत कबीर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनहित की संस्थाओं में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी।संत कबीरदास जयंती समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री दलाल ने कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद व कमजोर वर्ग के जीवन उत्थान के लिए नीतियां लागू कर रही है। वित मंत्री ने कहा कि सरकार संतों की दिखाएं रास्ते पर चलत रही है वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना के तहत संत-महापुरुषों की जयंती समारोह सरकारी स्तर पर आयोजित कर रही है ताकि संत महापुरुषों का संदेश हर नागरिक तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि संत महापुरुष किसी किसी विशेष एक समाज या जाति के नहीं होते। उनको किसी एक धर्म या जाति में नहीं बांधा जा सकता। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि कबीरदास समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का काम किया और समाज में भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत रविदास ने समाज में अपनी वाणी से अंधविश्वास और भेदभाव मिटाने का संदेश दिया। उनकी वाणी हमेशा प्रासंगिक रहेगी।

संत कबीरदास की विचारधारा पर ही गरीब के लिए काम कर रही है वित मंत्री ने कहा कि संत शिरोमणि कबीरदास ने अपनी वाणी में समाज में किसी भी किसी प्रकार का भेदभाव न हो और सभी खुश हों। केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार भी संत कबीर दास की विचारधारा को चरितार्थ कर रही है।

इससे पहले वित्तमंत्री ने संत कबीर दास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

कई राजनैतिक दल अपने स्वार्थ के लिए समाज में भेद-भाव फैलाने का काम कर दिन हैं उन्होंने कहा कि संत कबीर सर्वधर्म संभाव के प्रतीक हैं। हमारे देश में विभिन्न जाति, सम्प्रदायों के मानने वाले लोग रहते हैं और सभी के हृदय में भगवान का वास है।

इसलिए हमें बिना भेद-भाव के मानवता से प्रेम करना चाहिए। सरकार महापुरुषों की जीवनी व शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कर रही है

कार्यक्रम अवसर पर एसडीएम विरेंद्र सिंह, बीडीपीओ अमित कुमार, परमवीर एसडीओ,राकेश सैनी एक्सईएन,कपिल देव एक्सईएन सहित संत कबीरदास कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य,विभिन्न संथाओं के पदाधिकारी,विभागों के अधिकारी व कर्मचारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दो युवकों को रेलवे व बैंक में नोकरी लगवाने के नाम पर 10.20 लाख हडपे

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना (दो युवकों को रेलवे तथा बैंक में नौकरी लगवाने के नाम पर 10.20 लाख रुपए की राशि ऐंठने के आरोप में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सिटी थाना पुलिस ने 3 व्यक्तियों के खिलाफ भादसः की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। इस बारे में पीडित राजकुमार वासी कनीना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जीनियस एकेडमी नारनौल के संचालक राजेश कुमार वासी नायन,नांगल चौधरी, संजय व संदीप वासी दिल्ली ने उनके पुत्र को रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर 7 लाख तथा उनके भांजे को बैंक में नौकरी लगवाने के नाम पर 3.20 लाख रूपऐ ले लिए ओर फर्जी ज्वाईनिंग लेटर जारी उसके पुत्र व भांजे का भविष्य खराब कर दिया। पैसे वापिस मांगने पर आरोपी धमकी दे रहे हैं। राजकुमार ने कहा कि वह अपने पुत्र व भांजे को नौकरी लगवाने के लिए फरवरी 2022 में जीनियस ऐकेडमी नारनौल में कोचिंग दिलाने के लिए गया। तब एकेडमी के संचालक राजेश कुमार वासी नायन ने उनसे कहा कि वे कोचिंग करवाते हैं,इसके अलावा रेलवे में उनकी अच्छी पंहुच है। उनके पुत्र को रेलवे में भर्ती करवाने के नाम पर उसने 7 लाख रुपए तथा उनके भांजे को बैंक में नौकरी लगवाने के नाम पर 3.20 लाख रुपए देने की मांग की। राजकुमार द्वारा रुपए देने की सहमति देने के बाद आरोपी उनके घर-गांव कनीना आया ओर 3 लाख रुपए के साथ उसके पुत्र व भांजे को भी साथ ले गया। इसके बाद घर आकर 4 बार में दो लाख रुपए ओर ले गया। दो लाख रुपए ज्वाईनिंग लेटर आने के बाद देने की बात कही।

इसके बाद आरोपी संजय व संदीप दिल्ली ने आईआरसीटीसी दिल्ली के किसी दलाल से फर्जी ज्वाईनिंग लेटर व फर्जी आई कार्ड तैयार कर रजिस्ट्रड डाक से उनके पते पर चलता कर दियाइस दौरान आरोपी उसके भांजे को बैंक में नोकरी लगवाने के नाम पर 3.20 लाख रुपए भी ले गया। इसके बाद आरोपी राजेश कुमार ने राजकुमार को फोन कर ज्वाईनिंग लेटर बारे जानकारी मांगी। ज्वाईनिंग लेटर मिलने की जानकारी देने पर राजेश कुमार ने राजकुमार से बाकी बचे दो लाख रुपए ओर देने की बात कही। इस प्रकार एकेडमी संचालक राजेश कुमार ने दो युवकों को नौकरी लगाने के नाम पर कुल 10.20 लाख रुपए ले लिए। आरोपी संजय व संदीप भी इस स्केंडल में शामिल रहे। अब उनसे रकम वापिस मागतें हैं तो आरोपी उन्हें धमकी दे रहे हैं।

पुलिस ने जीनियस एकेडमी के संचालक राजेश कुमार उसके सहयोगी संजय व संदीप के खिलाफ भादसः की विभिन्न धाराओं सहित धोखाधडी का केस दर्ज कर लिया है। कनीना शहर थाना इंचार्ज निरीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपए ऐंठने वाले एकेडमी संचालक सहित तीन व्यक्तियों के विरुध केस दर्ज किया है। जिसकी गहनता से जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने पर आरोपियों को बख्शा नहीं जायेगा।

भक्ति नगर व युगल विहार अप्रूव्ड होने पर कालोनीवासियों ने लड्डू बांट सीएम का जताया आभार

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार द्वारा 21 जून को जारी की गयी अधिसूचना में रेवाड़ी जिले की नौ कॉलोनियां अप्रूव्ड की गई। इन अप्रूव्ड की गई 9 कॉलोनियों में से 2 कॉलोनियां भक्ति नगर कॉलोनी और युगल विहार कॉलोनी ढलियावास पंचायत के अधीन आती है। कॉलोनी वासियों द्वारा मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार नायब सिंह सैनी का दिल की गहराइयों से आभार व्यक्त किया गया। इस सुअवसर पर समस्त कॉलोनी वासियों ने लड्डू बांटकर खुशियां मनाई। हरियाणा सरकार के इस फैसले से कॉलोनी वासी अब यही आशा करते है कि जल्द ही कॉलोनी में वो सभी मूलभूत सुविधाए उपलब्ध करवाई जाएगी जो कि अर्बन कॉलोनियों में होनी चाहिए जिनमे बिजली की सुव्यवस्था,गंदे पानी की निकासी, सीवर लाइन डालकर सौंदर्यकरण प्रमुख है।

इस खुशी के मौके पर धर्मपाल, एक्स सरपंच प्रदीप यादव, सरपंच प्रतिनिधि बलराज, कैप्टेन वेद प्रकाश, भगतसिंह सांभरिया प्रधान सेवा स्तंभ, राजसिंह, बलबीर सिंह, कैंवल सिंह, सत्यवीर यादव, नरेंदर यादव, रणबीर सिंह, सुरेश कुमार, सोहनपाल, मास्टर कंवर सिंह, जयचंद, सत्यदेव सिंह, बाबूलाल, जयदेव, महेंद्र सिंह, ईश्वर सिंह एवं रामचंद्र आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे

कांग्रेस सरकार बनने पर हरियाणा में बदमाशों को रहने नहीं देंगे : हुड्डा

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। कांग्रेस सरकार बनने पर हरियाणा में बदमाशों को रहने नहीं देंगे। सुरक्षित फरीदाबाद, सुरक्षित हरियाणा, विकसित हरियाणा बनाना कांग्रेस का मकसद है। ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। हुड्डा फरीदाबाद में धन्यवादी कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे थे। इस मौके पर हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान, विधानसभा में कांग्रेस के उप-नेता आफताब अहमद और विधायक नीरज शर्मा, शारदा राठौर पूर्व विधायक, रघुबीर तेवतिया पूर्व विधायक, ललित नागर पूर्व विधायक, लखन सिंगला, विजय प्रताप समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। हुड्डा ने मजबूती के साथ लोकसभा चुनाव लड़ और बीजेपी को कड़ा मुकाबला देने के लिए कार्यकताओं की हौसला अफजाई की। उन्होंने कहा कि आधा मोर्चा आप लोगों ने फतेह कर लिया है। 3 महीने बाद विधानसभा चुनाव में पूरा मोर्चा फतह करने का मौका है। इस बार फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र की सा-री विधानसभाओं में कांग्रेस की जीत ही हमारा लक्ष्य है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि फरीदाबाद हरियाणा का सबसे पुराना औद्योगिक नगर है। लेकिन जब से भाजपा सत्ता में आई है, उसने इलाके की जनता को आधारभूत सुविधाओं के लिए भी तरसा रखा है। कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में यहां आईएमटी, सिक्स लेन सडकें, गुडगांव वाली रोड, बाईपास, यूनिवर्सिटी, मेडिकल कॉलेज, बड़े उद्योग, संस्थाएं, वाटर सप्लाई और सीवरेज व्यवस्था स्थापित की थी। लेकिन बीजेपी ने सिर्फ जनता को पानी की किल्लत, गंदे पानी की सप्लाई, सडकों और सीवरेज के जाम जैसी समस्याओं में उलझाकर रख दिया। 10 साल में यहां कोई भी बड़ी परियोजना, कोई बड़ी संस्था या बड़ा उद्योग नहीं आया। लगातार उद्योग धंधे बंद हो रहे हैं, जिसकी वजह से अकेले फरीदाबाद में एक लाख से ज्यादा लोग बेरोजगार हो गए। लेकिन कांग्रेस सर-कार बनने पर फिर से फरीदाबाद को तमाम समस्याओं से निजात दिलाकर वर्ल्ड क्लास औद्योगिक नगरी बनाया जाएगा। साथ ही कांग्रेस सरकार हरियाणा में कर्मचारियों को पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ देगी। बुजुर्गों को 6000 पेंशन, महंगाई से राहत देने के लिए सभी को 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। खाली पड़े 2 लाख से ज्यादा पदों को पक्की भर्ती के जरिए भरा जाएगा। जबकि मौजूदा सरकार कौशल निगम के जरिए मामूली वेतन में युवाओं को भर्ती कर रही है। 10-15 हजार के वेतन वाली नौकरी के लिए भी युवाओं से हजारों रुपए की रिश्वत ली जाती है। पक्की भर्तीयों में भ्रष्टाचार का स्तर कितना ऊंचा होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने परचून की दुकान पर सामान की तरह नौकरियों को बेचा है। कांग्रेस सरक-ार बनने पर नौकरियों में भ्रष्टाचार को खत्म करके साफ-सुथरी भर्तियां की जाएंगी। इस मौके पर कार्यकताओं में जोश भरते हुए चौधरी उदयभान ने ह्यआराम हराम हैह्न का नारा दिया। उन्होंने कहा कि ये सत्ता परिवर्तन की लड़ाई है और जबतक इसे जीत नहीं जाते, तबतक किसी को घर नहीं बैठना है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर इसी जुनून को जनता की सेवा में इस्तेमाल करना है।

उदयभान ने कहा कि 10 साल में बीजेपी ने जनता को झूठ बोलने के अलावा कोई काम नहीं किया। कांग्रेस सरकार के दौरान हरियाणा में 81.5 किलोमीटर दूरी तक मेट्रो आई और गुडगांव, बल्लभगढ़, बहादुरगढ़ व फरिदाबाद को मेट्रो से जोड़ा गया। लेकिन बीजेपी ने एक इंच भी मेट्रो को आगे नहीं बढ़ाया। 26 जनवरी 2016 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने फरीदाबाद से गुडगांव तक 32.14 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन का ऐलान किया था। लेकिन 8 साल में सरकार ने इस परियोजना के लिए एक फूटी कौड़ी भी बजट में नहीं रखी। पुरानी घोषणाओं पर काम हुआ नहीं और जनता को बरगलाने के लिए बीजेपी ने बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो लाइन का एक और झूठा ऐलान कर डाला।

इसलिए बीजेपी के झूठ को जनता के सामने उजागर करना कांग्रेस कार्यकताओं की जिम्मेदारी है। हमें जनता को बताना है

कि कांग्रेस सरकार ने 7 लाख परिवारों के लिए 100-100 गज के मुफ्त प्लॉट आवंटन की योजना शुरू की थी। इसके तहत करीब 4 लाख गरीब, एससी और ओबीसी परिवारों को प्लॉट बांटे गए थे। लेकिन बीजेपी ने सत्ता में आते ही इस योजना को बंद कर दिया और 3 लाख परिवार प्लॉट से वंचित रह गए। अब बीजेपी को 10 साल बाद इस योजना की याद आई है और कांग्रेस के समय में चिन्हित प्लॉट को बांटकर वाहवाही लूटना चाहती है। लेकिन वो 3 लाख परिवार बीजेपी को माफ नहीं करेंगे, जिससे उसने प्लॉट का अधिकार छीना।

लेकिन कांग्रेस सरकार बनने पर फिर से प्लॉट की योजना को शुरू किया जाएगा और इसबार 2 कमरे का मकान बनाकर गरीबों को दिया जाएगा। बीजेपी ने फरीदाबाद में 5000 झुग्गियों पर बुलडोजर चलाया, उनतक भी कांग्रेस कार्यकताओं क पहुंचना चाहिए और बीजेपी के क्रूर चेहरे से वाकिफ करवाना चाहिए। साथ ही मुफ्त अनाज योजना के बारे में भी जनता को बताना चाहिए कि इसकी शुरुआत कांग्रेस ने ही की थी। बीजेपी गरीबों को सिर्फ गेहूं या चावल देती है।

लेकिन कांग्रेस सरकार के दौरान उनको गेहूं, चावल के साथ दाल, सरसों का तेल, मिट्टी का तेल और चीनी भी मिलती थी। इससे पूर्व आम आदमी पार्टी के नेता चौ चंद्रपाल, कमल सिंह तेवतिया, डा. हेतराम चौहान, अमित कुमार, चौ. जगदीश बैनीवाल, चौ. मदन प्रधान, चौ. बदेत सिंह, रमेश, रविन्द्र के अलावा इनेलो जिला सैनक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रणबीर सिंह ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा। इस दौरान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष चौ उदयभान ने उन्हें पार्टी का पटका पहनाकर उनका पार्टी में आने पर स्वागत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन विधायक एवं फरीदाबाद प्रभारी आफताब अहमद द्वारा किया गया। इस अवसर पर मनधीर मान, गुलशन बगगा, ठाकुर राजाराम, गिरीश भारद्वाज, नीटू मान,योगेश, अब्दुल गफ्फार कुरैशी, गजना लाम्बा, कुंवर बालू सिंह, वासुदेव अरोड़ा, गोल्डी बरेजा, जगत नागर, बालकिशन वशिष्ठ, संजय सोलंकी, नीरज गुप्ता, शगुनचंद जैन, ललित बंसल, पवन रावत, अनिल नेताजी, मनोज नागर, नितिन सिंगला, अभिलाष नागर, वेदपाल दायमा, रेनू चौहान, मुनेश शर्मा, भारत अरोड़ा सहित अनेकों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

मानसून की एक ही बारिश ने खोली सरकार-प्रशासन के दावों की पोल : बलजीत कौशिक

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। फरीदाबाद शहर में हुई मानसून की पहली बरसात ने पूरे शहर को जलमग्न कर दिया। पॉश सेक्टर हो या फिर कालोनियां, हर जगह जलभराव के चलते लोगों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ा। हरियाणा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बलजीत कौशिक फरीदाबाद में हुए जलभराव क्षेत्रों का जायजा लिया और प्रशासन से जलनिकासी के तुरंत इंतजामात किए जाने की मांग की। श्री कौशिक ने सेक्टर-14, 16, 17, 15ए, 7,8, 9 सहित ओल्ड फरीदाबाद की कालोनियों, स्लम बस्तियों में जलभराव क्षेत्रों में जाकर स्थिति का जायजा लिया और बंद पड़ी गाडियों को धक्का लगाकर लोगों की मदद भी की। उन्होंने कहा कि एक ही बरसात ने भाजपाईयों की स्मार्ट सिटी की पोल पूरी तरह से खोलकर रख दी है। अभी तो यह मानसून की पहली बरसात थी, आने वाले दिनों में और बारिशें होंगी, ऐसे हालात रहे तो पूरा शहर जलमग्न हो जाएगा। बरसात के चलते लोगों के घरों तक पानी पहुंच गया, उनका घरेलू समान पूरी तरह से खराब हो गया और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। श्री कौशिक ने कहा कि सेक्टरों में रहने वाले बड़े बड़े उद्योगपति प्रशासन को टैक्स के नाम पर लाखों करोडों रुपए हर वर्ष देते है, जबकि जनसुविधाओं के नाम पर प्रशासन उन्हें कुछ भी मुहैया नहीं करवाता।

उन्होंने कहा कि भाजपा का विकास केवल कागजों में सिमटा हुआ है, जमीनी स्तर पर हालात बद से बदतर है, भाजपा सरकार से अब लोगों का मोहभंग होने लगा है और लोकसभा चुनाव में जिस प्रकार से जनता ने कांग्रेस को समर्थन दिया है, उससे स्पष्ट है कि हरियाणा में अगली सरक-ार कांग्रेस की बनेगी और उसके बाद शहर का विकास नए सिरे से किया जाएगा। इस अवसर पर उनके साथ मुख्य रुप से विनोद कैशिक, कृष्ण शर्मा, योगेश तंवर आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

हैफेड में गोदामों के निर्माण के संबंध में करें आवेंदन: अतिरिक्त उपायुक्त

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद शर्मा ने बताया कि हैफेड ने भारत सरकार/एफसीआई की 10 साल की निजी उद्यमी गारंटी (पीईजी) योजना के तहत 4 एलएमटी गोदामों के निर्माण के लिए "केवल लीज" या "सेवाओं के साथ लीज" श्रेणी में निविदा जारी की है।उन्होंने बताया कि टेंडर ऑनलाइन सरकार की वेबसाइट से प्राप्त किए जाएँगे। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई 2024 को दोपहर 02:00 बजे तक रहेगी और टेंडर ओपन उसके 1 घंटे बाद दोपहर 03:00 बजे खोली जाएंगी।

अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 2 आरोपियो की सम्पति पर चला पीली पंजा

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। सरकार द्वारा नशा तस्करी और अपराधिक गतिविधियों में शामिल अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के दिए गए निर्देश पर जिला प्रशासन और फरीदाबाद पुलिस ने नशा तस्करी करने वाले मां और बेटे के खिलाफ कार्रवाई की है। इसमें आरोपियो द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा कर घर बनाया गया था। जमीन पर नशा तस्करी से कमाए गए पैसे के घर बना कर कब्जा किया गया था। जिसको ड्युटी मजिस्ट्रेट अजीत सिंह की देख रेख में थाना सेक्टर प्रबंधक की टीम पुलिस चौकी सेक्टर-11 व अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम के साथ तोडा गया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अवैध रुप से जमीन पर कब्जा करने वाली आरोपी माया व उसका बेटा अरुण सितम्बर माह में ही पुलिस चौकी सेक्टर 11 एरिया की कृष्णा कॉलोनी में महिला अपराधी माया व उसके बेटे अरुण द्वारा अवैध शराब, जुआ, लडाई झगडे व नशा तस्करी से करके अवैध रुप से कमाई गई संपत्ति को ध्वस्त किया गया है। महिला अपराधी माया के खिलाफ अवैध शराब व एनडीपीएस के 12, अपराधी अरुण के खिलाफ जुआ, अवैध शराब व एनडीपीएस के 14 दर्ज थे। महिला ने हुड्डा की 500 गज जमीन पर अवैध कब्जा करके झुग्गियां रखी थी।फरीदाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करो पर पैनी नजर रखी जा रही है। जिनपर भी सख्त कानुनी कार्रवाई की जाएगी। नशा तस्करी से अर्जीत की गई संपति से बनाई गई प्रॉपर्टी को आगे भी कानुनी प्रक्रिया से ध्वस्त किया जाएगा।नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त करने वालों के बारे में टोल फ्रीनंबर 9050891508 व पुलिस कंट्रोल रुम 9999150000 व डायल 112 पर तुरंत सूचना देकर समाज को नशा मुक्त करने में पुलिस का सहयोग करें। पुलिस को सूचना देने वाले की पहचान गुप्तरखी जाएगी। फरीदाबाद पुलिस सदैव आप के साथ है।

30 जून को पेंशन/आवास नवीनीकरण योजना सर्टिफिकेट वितरण समारोह का होगा आयोजनः अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद शर्मा

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। एपीएससीएम आशिमा बराड़ ने बताया कि राज्य स्तरीय पेंशन व बीआर अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना लाभार्थी समारोह 30 जून को आयोजित किया जाएगा। एपीएससीएम आशिमा बराड़ ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस से माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ राज्य स्तरीय कार्यक्रम को लेक-र बैठक की।विडियो कॉन्फ्रेंस के उपरान्त अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद शर्मा ने संबंधित अधिकारियों से कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि 30 जून को सेक्टर-12 एचएसवीपी कन्वेंशन हाल में आयोजित होने वाले पेंशन व बीआर अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना लाभार्थी समारोह का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम पानीपत में आयोजित होगा। जिसमें लाभार्थियों को पेंशन/आवास नवीनीकरण योजना सर्टिफिकेट वितरण किए जाएंगे। उन्होंने पेंशन/आवास नवीनीकरण योजना सर्टिफिकेट वितरण समारोह कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों/कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिस विभाग को जो भी जिम्मेदारी दी गयी है। उसे निर्धारित समय पर पूरा करना सुनिश्चित करें।बैठक में सीटीएम अंकित कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सरफराज खान, जिला कल्याण अधिकारी ममता शर्मा, जिला प्रशिक्षण अधिकारी पुरुषोत्तम सैनी, तहसीलदार भूमिका लांबा सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा समाधान

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद । सरकार की ओर से आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू किए गए समाधान शिविर लोगों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध हो रहे हैं। इन शिविरों में लोगों की समस्याओं को तुरंत समाधान किया जा रहा है तथा संबंधित विभागों को जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के माध्यम से त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। आज शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में एडीसी डॉ. आनंद शर्मा सहित एसीपी सेन्ट्रल राजीव कुमार, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह एवं सीटीएम अंकित कुमार ने समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनी और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

समाधान शिविर में आज शुक्रवार को विभिन्न विभागों से संबंधित 32 शिकायतें आई, जिनमें से 13 का मौके पर समाधान करवा दिया गया। बाकी 19 शिकायतों के लिए संबंधित विभाग के अधिकारी को जल्द समाधान करवाने के निर्देश दिए गए हैं। एडीसी डॉ. आनंद शर्मा ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले नागरिकों की शिकायतों के प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान को लेकर प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है।

प्रदेश सरकार के निर्देश अनुसार जिला व पुलिस प्रशासन समाधान शिविरों का प्रत्येक कार्यदिवस में आयोजन कर रहा है। नागरिक अपनी शिकायतों को लेकर समाधान शिविरों में निरंतर पहुंच रहे हैं। ऐसी शिकायतों का तुरंत मौके पर ही समाधान किया जाता है जिनका निदान मौके पर ही संभव है। उन्होंने कहा कि पुरा प्रशासन आपसी सामंजस्य के साथ शिकायतों का समाधान कर रहा है। शिविर को लेकर नागरिकों का रुझान बढ़ा है तथा नागरिक अपनी अर्जी लेकर उनका समाधान करवाने के लिए समाधान शिविर में पहुंच रहे हैं।

नेत्रहीन क्रिकेट चेलेंज कप टूनार्मेंट के फाइनल मैच में हरियाणा ने राजस्थान को हराया

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। हरियाणा नेत्रहीन क्रिकेट संगठन द्वारा सेक्टर 77 स्थित लॉर्ड्स क्रिकेट अकादेमी में कराए गए तीन दिवसीय नेत्रहीन क्रिकेट चेलेंज कप टूनार्मेंट के फाइनल मैच में हरियाणा ने राजस्थान को हराया। राजस्थान ने 20 ओवर मे 164 रन बनाए और हरियाणा ने 15.2 ओवर में ही 168 रन बना लिए अतः हरियाणा टीम को विजयी घोषित किया। इस फाइनल मैच का टॉस फरीदाबाद के दो युवा उद्योगपति विवेक अग्रवाल और पीयूष अग्रवाल द्वारा कराया गया। दोनो युवा उद्योगपति ब्लाइन्ड क्रिकेट मैच देख कर बहुत उत्साहित थे,यह उनका पहला अवसर था। फाइनल मैच के समापन और विजेताओं को पुरुस्क-ार देने फरीदाबाद शहर के वरिष्ठ समाजसेवी सुधा रस्तोगी डेंटल कॉलेज के अध्यक्ष धर्मवीर गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप मे पधारे और विशिष्ठ अतिथि के रूप में फ्रैंडस इन्डीड फाउंडेशन के निदेशक गौरव नारंग अपनी पुत्री के साथ, खुशी एक एहसास के अध्यक्ष और महासचिव अजय चावला और पंकज भाटिया पूरे मैच में उपस्थित रहकर मैच को इन्जॉय किया। उनका कहना था कि नेत्रहीन खिलाडियों का मैच पहली बार देखा है । मुख्य अतिथि धर्मवीर गुप्ता द्वारा 7 मैच के 7 मेन ऑफ मैच, तीन मेन ऑफ द सीरीज देकर कर खिलाडियों का स्मृति चिन्ह और नकद पुरुस्कार देकर सम्मान किया । इसी तरह राजस्थान टीम को रनर ट्रॉफी और नकद इनाम देकर सम्मान किया,और बाद मे करताल ध्वनि के साथ हरियाणा की विनर टीम को बुला कर विनर ट्रॉफी और नकद इनाम देक-र सम्मान किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि हरियाणा नेत्रहीन क्रिकेट संगठन का यह बहुत अच्छा प्रयास है कि नेत्रहीन बच्चों को क्रिकेट प्रशिक्षण देकर इन्टर स्टेट और वर्ल्ड कप आदि खेल के लिए तैयार किया जाता है । उन्होंने हरियाणा टीम का विजेता बनने की बधाई दी और साथ मे अन्य टीम की भी अच्छा प्रदर्शन कर हौसला अफजाई की । उन्होंने कहा कि साधारणतया क्रिकेट खेल सिर्फ देखने वाले लोगों का ही जाना जाता है लेकिन यह तो संस्थान के अध्यक्ष श्री अजीत पटवा और महासचिव श्री कृष्ण मलिक का साहस है

कि ब्लाइन्ड लोगों को क्रिकेट खेल का प्रशिक्षण देकर तैयार करते है । संस्था की भूरी भूरी सराहना करते हुए 51000 रुपए दान देने की घोषणा की ।सी ए दीपक गर्ग और सी ए संजय चांडक ने संस्थान को 11000 11000 रुपए दान दिया । इसके साथ आज का टॉस करने वाले विवेक अग्रवाल और पीयूष अग्रवाल ने भी 11000 रुपए दान स्वरूप दिए । हरियाणा ब्लाइन्ड क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष सी ए अजीत पटवा ने बताया कि 27 जून को हेलेन केलर के 145वें जन्म दिवस पर तीन दिवसीय नेत्रहीन क्रि-केट चेलेंज कप टूनार्मेंट का आयोजन किया। उन्होंने सभी टीम का आभार किया कि यह इन्टर स्टेट क्रि-केट सीरीज पूरे अनुशासन और शांति के साथ खेला उन्होंने धर्मवीर गुप्ता का भी बहुत बहुत धन्यवाद किया जो शॉर्ट नोटिस पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। पटवा ने अन्य अतिथियों का भी धन्यवाद किया । विशेष कर उन्होंने खुशी एक एहसास का क्रिकेट टीम के खाने में सहयोग करने का धन्यवाद किया। श्री पटवा ने फरीदाबाद की जनता से अपील की कि ब्लाइन्ड क्रिकेट बोर्ड का दान देकर सहयोग करें जो आयकर की धारा 80 जी मे कवर्ड है। इस अवसर पर जितेंद्र मलिक, के डी मिश्र, दिवाकर मलिक, रघुबीर यादव, आदि उपस्थित थे ।

संपादकीय

राष्ट्रीय राजनीति के फलक पर ओम बिरला

ओम बिरला में ऐसा क्या है जो उन्हें लगातार दूसरी बार लोकसभा के अध्यक्ष जैसी बड़ी जिम्मेदारी पर पहुंचाता है। अपने कोटा शहर में जरूरतमंद लोगों को कपड़े, दवाएं, भोजन पहुंचाते-पहुंचाते बिरला कब राष्ट्रीय राजनीति के सितारे बन गए, यह एक अद्भुत कहानी है। प्रधानमंत्री ने सदन में उनके द्वारा चलाए जा रहे अनेक सामाजिक कार्यों की चर्चा की। उनकी सरलता,सहजता और सदन चलाने की उनकी क्षमताएं प्रमाणित हैं। अब जब वे ध्वनिमत से लोकसभा के अध्यक्ष चुने जा चुके हैं, तब उन पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी आन पड़ी है। यह भी शुभ रहा कि कांग्रेस ने प्रारंभिक चर्चाओं के बाद भी मत विभाजन की मांग नहीं की और उनका चयन सर्वसम्मत से हुआ। इससे संसद की गरिमा बनी और परंपराओं का पालन हुआ है। उम्मीद की जानी चाहिए आने वाले समय में लोकसभा ज्यादा बेहतर तरीके से अपने कामों को अंजाम दे सकेगी।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

बलराम जाखड़ के बाद वे दूसरे ऐसे सांसद हैं, जिन्होंने यह गरिमामय पद दुबारा संभाला है। इस बात को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि नए सांसदों को बिरला से सीखना चाहिए। मोदी ने कहा कि हमसंसद 140 करोड़ देशवासियों की आशा का केंद्र है। सदन में आचरण और नियमों का पालन जरूरी है। सदन की गरिमा और परंपराओं का पालन अध्यक्ष की बहुत महती जिम्मेदारी है।हु उम्मीद की जानी चाहिए कि संसद में लोकसभा अध्यक्ष के रूप में बिरला जी का यह कार्यकाल उदाहरण बनेगा। जहां गंभीर बहसें होंगी और शासकीय काम के साथ विमर्शों का नया आकाश खुलेगा।

राजस्थान के कोटा जिले में 23 नवंबर,1962 को जन्में ओम बिरला का समूचा राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन सेवा, समर्पण और उससे उपजी सफलताओं से बना है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष के रूप में काम प्रारंभ कर वे राजस्थान में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़-कर नहीं देखा। वे 2003, 2008 और 2013 में तीन बार राजस्थान विधानसभा में विधायक निर्वाचित किए गए। 2014 से वे लगातार तीसरी बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस तरह वे एक सफल जनप्रतिनिधि के रूप में कोटा के लोगों का दिल जीतते रहे हैं। 17 वीं लोकसभा में अध्यक्ष चुने जाते ही वे राष्ट्रीय फलक पर छा गए। अपने तमाम फैसलों की तरह उस समय नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक विश्वेषकों को चौंकाते हुए बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा था। किंतु अपनी सौजन्यता, कुशल सदन संचालन और लोकसभा उपाध्यक्ष का चुनाव न होने के बाद भी अकेले वरिष्ठ सांसदों के पैनल के आधार उन्होंने सदन चलाया । उनका सहज अंदाज और हल्की मुस्कान,मीठी डांट से सदन को चलाने का तरीका उन्हें इस बार इस पद का स्वाभाविक उत्तराधिकारी बना चुका था। अब कोटा की स्थानीय राजनीति से राष्ट्रीय फलक पर आए बिरला सदन की उपलब्धि बन चुके हैं।

बिरला राजनीति में आने से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर-एसएस) से जुड़े थे। उनके मन में समाजसेवा की भावना इसी संगठन से उपजी और वे विविध प्रकल्पों के माध्यम से इसी काम में रम गए। उन्होंने अपने क्षेत्र में 2012 में परिधान नाम कल्याणकारी कार्यक्रम प्रारंभ किया, जिसके तहत समाज के कमजोर वर्गों को किताबें और कपड़े वितरित किए जाते थे। इसके साथ ही रक्तदान और मुफ्त दवा वितरण के आयोजनों से वे लोगों के दिलों में उतरते चले गए। फिर उन्होंने मुफ्त भोजन कार्यक्रम भी चलाया। उनका संकल्प था उनके लोग भूखे न सोएं। इस तरह वे बहुत संवेदनशील और बड़े दिलवाले सामाजिक कार्यकर्ता और राजनेता की तरह सामने आते हैं। यह उन हाशिए के लोगों की दुआएं ही थीं कि बिरला आज सत्ता राजनीति के शिखर पर हैं।

भाजपा को एक दल के रूप में इस बार लोकसभा में पूर्ण बहुमत नहीं है और उसकी निर्भरता राजग के सहयोगियों पर बढ़ी है। इसी तरह सदन में प्रतिपक्ष ज्यादा ताकतवर हुआ है। तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी की सरकार के सामने अब नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी मौजूद होंगे। मोदी की तीसरी सरकार में नेता प्रतिपक्ष का पद मिलना भी एक बड़ी सूचना है। पिछले दो सदनों में कांग्रेस के इतने सदस्य नहीं थे कि वह नेता प्रतिपक्ष का पद हासिल कर सके। इससे नेता प्रतिपक्ष अब लोकलेखा समिति के अध्यक्ष भी होंगे और सरकारी खर्चों पर टिप्पणी कर सकेंगे।

इस बदले हुए परिदृश्य में सदन में प्रतिपक्ष की आवाज भी प्रखर होगी। राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने अध्यक्ष को धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए सत्ता पक्ष पर अंकुश और प्रतिपक्ष को संरक्षण देने की अपील की। उम्मीद की जानी कि ओम बिरला अपने बड़े दिल से सदन की गरिमा को नई ऊंचाई प्रदान करेंगे। फिलहाल तो उन्हें शुभकामनाएं ही दी जा सकती हैं।

मेडिकल की पढ़ाई करने वालों की बल्ले-बल्ले! अब होगी लाखों की बचत

समाचार गेट/एजेंसी

अगर आप उत्तर प्रदेश के मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई कर रहे हैं या करने की सोच रहे हैं, तो आपके लिए गुड न्यू है। आपको पॉकेट से लाखों रुपये निकलने से बच जाएंगे। क्योंकि उत्तर प्रदेश सरकार ने यूपी में मेडिकल सीट लीविंग बॉन्ड पॉलिसी खत्म करने का फैसला लिया है। ये यूपी से एमबीबीएस, बीडीएस या पीजी मेडिकल कोर्स करने वालों के लिए किसी बड़े बदलाव से कम नहीं, जिसका इंतजार सालों से था।

अब तक अगर आप मेडिकल की सीट छोड़ते, यानी किसी भी कारण से पढ़ाई बीच में छोड़ते तो आपको उस कॉलेज को एक मोटी रकम जुर्माने के तौर पर देनी पड़ती थी जहां से आप पढ़ाई कर रहे होते थे।एमबीबीएस/बीडीएस के लिए यूपी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेजों में 1 लाख रुपये और प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में पूरी फीस देनी पड़ती थी। जबकि पीजी की सीट छोड़ने पर 5 लाख रुपये का जुर्माना था।

। हालांकि, इस बड़े फैसले के साथ ही मेडिकल सीट छोड़ने का बांड का नियम खत्म करने वाला यूपी दूसरा राज्य बन गया है। कुछ समय पहले एमपी ऐसा कर चुका है।

मेडिकल एजुकेशन महानिदेशक, किंजल सिंह ने बताया, 'एमबीबीएस कोर्स छोड़ने वाले छात्र पहले से ही बहुत दबाव में होते हैं क्योंकि वे एक सुनहरा करियर छोड़ रहे होते हैं। वे ऐसा अंतिम विकल्प के रूप में करते हैं और उनके पास वाजिब कारण होते हैं, जिनमें आर्थिक कारण भी शामिल हैं। ऐसी स्थिति में, सरकार ने सोचा कि उनसे जुर्माने के रूप में पैसे लेना उचित नहीं है। इसलिए जुर्माने के वित्तीय हिस्से को समाप्त कर दिया गया है।'

किंजल सिंह ने नेशनल मेडिकल कमीशन के साथ चर्चा के आधार पर एक प्रस्ताव भेजा था। उन्होंने कहा, 'जुर्माने का दूस-रा हिस्सा वही रहेगा जहां एक उम्मीदवार को अगले साल नीट एग्जाम और काउंसलिंग में भाग लेने से रोक दिया जाएगा।'

इस साल बढ़ेगी मेडिकल की सीट

सिंह ने कहा, 'हम यूपी में एमबीबीएस सीट्स और कॉलेजों की संख्याधीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं। हमारा ध्यान ज्यादा से ज्यादा उम्मीदवारों को डॉक्टर बनने में मदद करना है।

इसलिए, छात्रों के हित में सीट छोड़ने के बॉन्ड में उल्लिखित वित्तीय दंड को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। लेकिन यहां पैसा महत्वपूर्ण नहीं है।

ऐसे में, हमें उम्मीदवार के साथ सहानुभूति रखने की जरूरत है, इस फैसले को ध्यान में रखते हुए कि वे अपना पूरा करियर दांव पर लगा रहे हैं।

'उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 60 से ज्यादा मेडिकल कॉलेजों में 9278एमबीबीएस और 2070बीडीएस सीटें हैं।

एक दर्जन से ज्यादा नए मेडिकल कॉलेजों के 2024 नीट काउंसलिंग में शामिल होने की उम्मीद है। निरीक्षण हो रहे हैं। फिर यूपी में एमबीबीएस सीटों की संख्या 10,000 से ज्यादा हो जाएगी।

अब उत्तर प्रदेश सरकार ने मेडिकल की पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले छात्रों पर लगाया जाने वाला ये जुमार्ना हटा दिया है। लेकिन, अगले साल फिर से दाखिला लेने पर रोक बरकरार रहेगी

कब और कैसे होगी नीट काउंसलिंग

समाचार गेट/एजेंसी

मेडिकल काउंसलिंग कमेटी ने नीट एमडीएस

काउंसलिंग 2024 के लिए संभावित शेड्यूल जारी कर दिया है। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट फॉर मास्टर्स ऑफ डेंटल सर्जरी के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया 1 जुलाई, 2024 से शुरू हो रही है। काउंसलिंग के लिए आवेदन करने के पात्र उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।नीट-एमडीएस एक पात्रता-सह-रैंकिंग एकल प्रवेश परीक्षा है जो दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 के तहत विभिन्न एमडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों के तहत एमडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट-एमडीएस पास करना अनिवार्य है।नीट-एमडीएस के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया तीन रा-उंड में आयोजित की जाएगी। राउंड 1 नीट-एमडीएस काउंसलिंग के लिए रजिस्ट्रेशन 1-7 जुलाई, 2024 से शुरू होंगे। भुगतान की सुविधा 7 जुलाई, 2024 को दोपहर 3 बजे से उपलब्ध होगी। विकल्प भरने और लॉक करने का विकल्प 2 जुलाई से 7 जुलाई तक रात 11:55 बजे तक उपलब्ध रहेगा।सीट आवंटन की प्रक्रिया 8-9 जुलाई, 2024 से शुरू होगी। रिजल्ट 10 जुलाई, 2024 को घोषित किए जाएंगे। रिपोर्टिंग/ज्वाइनिंग 11-17 जुलाई, 2024 के लिए निर्धारित की गई है। एमसीसी को डेटा साझा करने वाले संस्थानों द्वारा ज्वाइन किए गए उम्मीदवारों के डेटा का सत्यापन 18-19 जुलाई, 2024 है। नीट एमडीएस के तीन राउंड का पूरा विवरण एमसीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।एमडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राज्य या संस्थान स्तर पर कोई अन्य प्रवेश परीक्षा मान्य नहीं है। देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों के तहत एमडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट-एमडीएस पास करना अनिवार्य है।

टोयोटा की 10 लाख से बजट कारों की बंपर सेल

समाचार गेट/एजेंसी

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारतीय बाजार में एसयूवी और एमपीवी लवर्स के लिए बेहतरीन गाड़ियां पेश की हैं, जो पावर और फीचर्स के साथ ही माइलेज के मामले में भी जबरदस्त हैं। कंपनी की एवरग्रीन कार के रूप में इनोवा सीरीज की क्रिस्टा और हाइक-रॉस का ऐसा जलवा है कि हमेशा ये 7 सीटर एमपीवी पहले स्थान पर ही है। एसयूवी और प्रीमियम एमपीवी सेगमेंट में टोयोटा ने अपनी पोजिशनिंग काफी स्ट्रॉन्ग कर ली है। जो लोग अपने लिए पावरफुल इंजन और धांसू फीचर्स वाली 5 सीटर या 7 सीटर एसयूवी हो या मिड रेंज में कंफर्टेबल 7 सीटर कार चाहिए, उनके लिए टोयोटा ने काफी सारे विकल्प दिए हैं। चलिए, आपको बताते हैं कि बीते मई में टोयोटा की कितनी कारें बिकीं और किन-किन मॉडल्स को कितने ग्राहक मिले।सबसे ज्यादा इनोवा हाई क्रॉस और क्रिस्टा की बिक्रीमई 2024 में टोयोटा की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार इनोवा रही। इनोवा सीरीज में क्रिस्टा और हाई क्रॉस जैसी दो धांसू एमपीवी है। बीते महीने टोयोटा इनोवा सीरीज की

एमपीवी को 8548 लोगों ने खरीदा। इनोवा की बिक्री में 10 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी हुई है। कीमत की बात करें तो टोयोटा इनोवा क्रिस्टा की एक्स शोरूम प्राइस 19.99 लाख रुपये से लेकर 26.55 लाख रुपये तक है। वहीं, इनोवा हाइक्रॉस की एक्स शोरूम प्राइस 19.77 लाख रुपये से लेकर 30.98 लाख रुपये तक है।

अर्बन क्रूजर टाइजर और रुमियन की अच्छी बिक्री

टोयोटा की दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार ग्लैंजा है। प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट की टोयोटा ग्लैंजा को पिछले महीने 4,517 ग्राहकों ने खर-ीदा। ग्लैंजा की बिक्री सालाना रूप से 13 फीसदी घटी है। तीसरे नंबर पर टोयोटा की हालिया लॉन्च क्रॉसओवर अर्बन क्रूजर टाइजर रही, जिसे 2180 ग्राहकों ने खरीदा।

टोयोटा हाइराइडर की बिक्री बढ़ी

बीते मई में रुमियम टोयोटा की चौथी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। इस बजट एमपीवी को 1919 लोगों ने खरीदा। इसके बाद कंपनी की पॉपुलर मिडसाइज एसयूवी अर्बन क्रूजर हाइराइडर रही, जिसे 3906 ग्राहकों ने खरीदा और इसकी बिक्री में 26 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली। इसके बाद फॉर्च्यूनर एसयूवी की 2422 यूनिट बिकी। टोयोटा हाईलक्स की 283 यूनिट, कैमरी की 122 यूनिट और वेलफायर की 62 यूनिट बिकी।

जलभराव वाले इलाकों में कार ले जाने से पहले ये बातें जान लें

समाचार गेट/एजेंसी

दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई इलाकों में भारी बारिश की वजह से जलजमाव की समस्या खड़ी हो गई है और ऐसे में वाहन चलाने वालों को खासी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, बारिश का मौसम आते ही शहरों में जलभराव की समस्या आम हो जाती है। ऐसे में अगर आपको जलभराव वाले इलाकों में कार से गुजरना पड़े तो कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं। ऐसे में कोशिश करें कि आप इन सावधानियों का पालन करें, जिससे कि ज्यादा नुकसान ना हो। उससे पहले ये भी जान लें कि आखिरकार ज्यादा पानी वाले इलाके में कार ले जाने से क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं।

पानी का स्तर अगर गाड़ी के एयर इनटेक या एग्जॉस्ट पाइप से ऊपर चला जाए तो इंजन में पानी घुसने का खतरा बढ़ जाता है। पानी इंजन में घुसने से हाइड्रोलॉक हो सकता है, जिससे इंजन को गंभीर नुकसान हो सकता है और गाड़ी पूरी तरह से खराब हो सकती है।

जलभराव का स्तर अगर ज्यादा है तो गाड़ी का पहिया पानी में फंस सकता है, जिससे गाड़ी आगे नहीं बढ़ पाएगी। ऐसी स्थिति में कार को निकालने के लिए आपको मदद की जरूरत पड़ सकती है।

पानी में चलने से गाड़ी के ब्रेक गीले हो सकते हैं, जिससे उनकी कार्यक्षमता कम हो सकती है। गीले ब्रेक ठीक से काम नहीं करते हैं, जिससे गाड़ी को रोकने में दिक्कत हो सकती है और एक्सिडेंट का खतरा बढ़ जाता है।

पानी अगर गाड़ी कार के इलेक्ट्रिकल सिस्टम में घुस जाए तो शॉर्ट सर्किट हो सकता है और इससे

गाड़ी के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नुकसान हो सकता है।

जलभराव वाले इलाकों में गाड़ी चलाने से गाड़ी के नीचे जंग लगने का खतरा बढ़ जाता है। जंग लगने से गाड़ी के बॉडी और चेसिस को नुकसान हो सकता है।

जलभराव वाले इलाकों में सड़कों की स्थिति खराब होती है और गड्ढे दिखाई नहीं देते हैं। ऐसे में गाड़ी का नियंत्रण खोने का खतरा बढ़ जाता है और इससे

दुर्घटना हो सकती है।

जलभराव वाले पानी में सीवेज या अन्य दूषित पदार्थ मिले हुए हो तो उससे निकलने वाली गैस से लोगों को काफी दिक्कत हो सकती है।ज्यादा बारिश हो रही है और जलभराव की समस्या गहरा गई है तो कोशिश करें कि वैसे इलाकों से कार ना ले जाएं।

आपको अगर जलभराव वाले इलाकों से गुजरना जरूरी है तो कम स्पीड से चलें और अचानक ब्रेक लगाने से बचें। बड़े वाहन चलने से पानी उछल सकता है, जिससे आपकी गाड़ी में पानी घुस सकता है। बारिश के मौसम में गाड़ी की सर्विस करवा लें और गाड़ी के टायरों का एयर प्रेशर सही रखें। अपनी गाड़ी का बीमा करवा लें, जिससे कि जलभराव से होने वाले नुकसान की स्थिति में आपको आर्थिक रूप से घाटा न हो।

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में गरजे हुडडा, उदयभान और लखन सिंगला

समाचार गेट/संजय शर्मा

एवं भावना कौशिश

फरीदाबाद। कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन सेक्टर 16 मैगपाई में आयोजित किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक आफताब अहमद ने की जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भूपेंद्र सिंह हुड्डा हरियाणा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान सहित तमाम कांग्रेसी नेताओं ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुडडा

इस अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुडडा ने कहा कि अगर हमारी सरकार आई तो बिजली की 300 यूनिट फ्री करेंगे। उन्होंने कहा कि दोस्तों आज कल खाना हर घर में गैस सिलेंडर पर बनता है 2014 में गैस सिलेंडर का भाव 400 रुपए था और अभी 1200 हो गया, हरियाणा में कांग्रेस की सरकार आएगी तो गैस सिलेंडर के भाव 500 रुपए से ज्यादा का सिलेंडर नहीं होगा। इसी प्रकार कानूनी व्यवस्था देख लो 2005 से पहले हरियाणा क्या था? जैसे ही कांग्रेस सरकार आई उसके बाद हमनें बोल दिया बदमाशो या तो बदमाशी छोड़ दो या हरियाणा छोड़ दो।

हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान

कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने कहा कि मैं आप सभी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। आपको मालूम होना चाहिए कि इस लोकसभा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने 47.6 प्रतिशत वोट हासिल की हैं जो की पिछले चुनाव 2019 में 28 प्रतिशत थी इसका मतलब है कि 19 प्रतिशत वोटों में हमारा इजाफा हुआ है और केवल 10 प्रतिशत विधानसभा सीटों में हमे लीड मिली थी जबकि भारतीय जनता पार्टी को 79 विधानसभाओं में लीड मिली थी भारतीय जनता पार्टी का जो वोट शेयर था वो 56.7 प्रतिशत था आज उनका हमारे से 2 प्रतिशत शेयर करे तो जहां वो 79 सीट लीड थी अब 44 पर थे और हम 10 पर थे 44 पर पहुंच गए। मैं मानता हूं फरीदाबाद लोकसभा में हमें कामयाबी नहीं मिली लेकिन जहां हम पिछले चुनाव में 6 लाख 38 हजार से हारे थे इस बार 4 लाख 48 हजार वोट कवर की।

फरीदाबाद एनआईटी विधायक नीरज शर्मा

एनआईटी विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि जल न होता तो सारी सृष्टि खत्म हो जाती आज हमारी क्या समस्या है? सिर्फ दो समस्या है पीने के लिए चाहिए तो पानी नही है और जो पानी हम निकालना चाहते है गटर का वो पानी दुर नहीं हो रहा । और यह तो साहब एक कार्यकर्ता सम्मेलन था पुरा फरीदाबाद शहर जिसे स्मार्ट सिटी नाम दिया गया है आज फरीदाबाद का कोई हिस्सा ऐसा नहीं है जहां जल भराव न हों। जबकि यह तो पहली बारिश थी अभी तो आगे बारिश शुरू होने वाली है और साथियों इसमें कोई सक नहीं है कि हम भले ही लोकसभा सिट हारे हो परन्तु पिछली बार के मुकाबले बहुत लम्बा गड्ढा था समय कम था अगर जो यही टिकट एक महीने पहले डिक्लेयर होती या चुनाव 10 दिन बाद होता आज फरीदाबाद का रिजल्ट कुछ और होता अब बार बार मेरे से पहले साथियों ने कहा है इकलौता विधायक इकलौता विधायक भाईयो ये कोई बढ़िया चीज नहीं है इकलौता से फरीदाबाद का भला न होगा । साथियों आज एक संकल्प लेके जाना है यहां से , मै एक बात और बता दू हमारे शहर का भला सिर्फ हुड्डा साहब कर सकते है और कोई नहीं।

नूंह विधायक मोहम्मद आफताब

नूंह से विधायक आफताब अहमद ने कहा कि आप मेहनत करिए विधानसभा चुनाव में दो महीने के बात है आपको अगर फिर पुराना फरीदाबाद का विकास क्योंकि 10 सालो का स्मार्ट सिटी का दौर देख लिया और आज स्मार्ट सिटी की जो पोल खुलती है तो दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर फरीदाबाद है अगर इससे निजात पाना है तो कांग्रेस को जिताएं जिससे शहर का विकास होगा आप सब ने बहुत मेहनत करके लोकसभा चुनाव में जो असंभव था उससे संभव किया थोड़ी कमी रह गई लेकिन उसे दुर करने का समय है।

कांग्रेस नेता लखन सिंगला

कांग्रेस नेता लखन सिंगला ने कहा कि 2024 में कांग्रेस की सरकार बन रही है कोई किंतु परन्तु नहीं है । 2014 में चौधरी भूपेंद्र सिंह जी हरियाणा के सीएम रहे। आपने देखा फरीदाबाद हो, मेडिकल कालेज, मेडिकल हॉस्पिटल, केएमपी, आईएमटी, मीठा पानी योजना, बदरपुर फ्लाई ओवर हो या कैली बायपास बनाने का काम चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा का रहा। 2014 से 2024 तक बीजेपी की सरकार रही एक भी समाजिक संस्था को एक इंच भी जमीन नहीं मिली भूपेंद्र जी जब हरियाणा के सीएम थे उन्होंने पंजाबी समाज को मान सम्मान देते हुए सेक्टर-16 को दशहरा ग्राउंड दिया, सेक्टर-3 को जाट भवन, सेक्टर -16 को गुर्जर भवन, सेक्टर-8 में महाराणा प्रताप भवन दिया। कितने काम किए आपके सामने है । मैं आपसे इतनी अपील करना चाहूंगा हुड्डा साहब सीएम बनने जा रहे है आने वाले चुनावों में कांग्रेस के उम्मीदवारों का साथ दें।

ललित नागर पूर्व विधायक कांग्रेस

पूर्व विधायक ललित नागर ने कहा कि आप लोगों की मेहनत के कारण वो 6:30 लाख वोट पाए हैं साथियों आज अगर मैं फरीदाबाद की बात करूं जब से लोकसभा के चुनाव हुए हैं फरीदाबाद के कांग्रेस कार्यकताओं में आज जोश है पिछले लोकसभा के चुनाव में जो जोश देखने को मिला आज उससे ऐसा लगता है की आने वाले 3 महीने के बाद जो विधानसभा के चुनाव होंगे उन्हें विधानसभा के चुनाव में आपका जोश पूरे फरीदाबाद जिले में हमारी सारी सीटों को जीतने का काम करेगा आज फरीदाबाद के कांग्रेस के कार्यकताओं में भाजपा के कार्यकताओं ने चाहे धन बल का इस्तेमाल किया हो प्रशासन इस्तेमाल क्या हो चाहे उन्होंने 40 उपाय का नारा इस्तेमाल किया हो चाहे उन्होंने मोदी का नाम लिया हो लेकिन आज सब का जवाब देते हुए फरीदाबाद के कार्यकताओं ने और पूरे हरियाणा प्रदेश के कार्यकताओं ने उनका मुंह तोड़ जवाब देने का काम किया है साथियों यह केवल आप लोगो की बदौलत है।

रघुवीर तेवतिया पूर्व विधायक

पूर्व विधायक रघुवीर तेवतिया ने कहा कि हरियाणा में किसी के पास भी किसी भी पार्टी के पास हमारे जो सबके नेता है चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा उनके कद का कोई नेता नहीं है हरियाणा में किसी पार्टी के पास और आपने पहले भी देखा था 10 साल में चाहे वह रोजगार की बात हो चाहे वह विकास की बात हो चाहे बदरपुर फ्लाईओवर की बात हो चाहे मेडिकल कॉलेज की बात हो चाय मेडिकल हॉस्पिटल की बात हो बल्लभगढ़ मेट्रो लाने की बात हो ऐसे मुख्यमंत्री जिसको जनता चाहती है आने वाले विधानसभा में सभी से जिस तरह लोकसभा में अपने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था इसी प्रकार विधानसभा के चुनाव में जीतने का काम करें।

पूर्व विधायक एंव पूर्व संसदीय सचिव शारदा राठौर

शारदा राठौर ने कहा कि हम आप सबका भी धन्यवाद करते है जिन्होंने इस लोकसभा चुनाव में पूरे दिल से पूरी सिद्धत से मेहनत की भले ही यह चुनाव नहीं जीत सकें लेकिन इतना अच्छे ढंग से यह चुनाव लड़ा गया कि कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता जो घरों में छुपा हुआ था या किसी कारण से उदासीन था वो सब निकल निकल कर लोकसभा के चुनाव में आए दुर्भाग्य है कि धन बल के कारण और टिकट में देरी के कारण चुनाव नहीं जीत सके लेकिन हम हर कर भी चुनाव जीते है क्योंकि हमने ईमानदारी से चुनाव लड़ा है हमने समस्याओं से चुनाव लड़ा है लोगो की भावनाओ से कोई खिलवाड़ नहीं किया है और मैं यह बधाई देना चाहती हूं आपने नेता मानिए हुड्डा साहब को आपने भाई चौधरी दीपेंद्र हुड्डा जी के लिए जिन्होंने पूरे देश में लोकप्रियता में जीत में एक रिकॉर्ड कायम किया है

कांग्रेस नेता विजय प्रताप

कांग्रेस नेता विजय प्रताप ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी मेहनत और आपका समर्थन जिसकी वजह से यह सफलता हमें मिली और आप देखिए सभी लोग जानते हैं कि समय की भी कमी रही, कहां लोग कई महीनों से चुनाव में है बीजेपी ने कई महीना पहले अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए थे लेकिन हमें मात्र एक महीना ही मिला। संगठन और समय दोनों के बावजूद जो नतीजे आप लोगों ने ला कर दिए इसे कांग्रेस पार्टी और आपके समर्थन को कभी नहीं भुलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैं दोनों हाथों से हाथ जोड़कर आपको नमन करता हूं।

लुकमान रमीज कांग्रेस नेता

कांग्रेस के जोनल अध्यक्ष माइनोरिटी डिपार्टमेंट हरियाणा प्रदेश एवं कोर्डिनेटर हरियाणा प्रदेश जिला मेवात प्रभारी ओबीसी सेल से लुकमान रमीज ने कहा कि कोई रिजर्वेशन नहीं किसी प्रकार की सुविधा नहीं कच्ची नौकरी पक्की नौकरी नहीं जब चाहे कान पड़कर निकाल दो उसमें भी रिश्वत लेकर लग रहे हैं इन लोगों ने हा मोर्चे पर हमारे प्रदेश में लोगों को अपमानित करने का काम किया है किसानों के साथ किस तरह का व्यवहार किया यह मुझे बताने की जरूरत नहीं है आज इलेक्शन सर पर है तीन दिनों बाद विधानसभा का चुनाव आ रहा है बेशर्मी से मुख्यमंत्री रह रहे हैं कि वह गरीबों को 100 गज के प्लॉट दे रही हैं कौन से दे रही है भाई कौन से वाले दे रहे हो जवाब नहीं है।

गिरीश भारद्वाज कांग्रेस नेता

कांग्रेस नेता गिरीश भारद्वाज ने कहा कि सबसे पहले कभी गरीब आदमी के गर्दन पर थोड़ी चलाने का काम बीजेपी ने किया था वह स्कीम इन्होंने रद्द कर दी जिनके रजिस्ट्री भी हो गई थी उनके इन्होंने कब्जे भी नहीं दिए जब 2 महीने पीछे 3 महीने पीछे चुनाव है और उनका कब्जा देने की बात कर रहे हैं उनको देने की बात कर रही है

जो हुड्डा साहब के मंजूर कर थे और इन्होंने जो रोक दिए थे पहले तो उसके लिए माफी मांगे इन गरीब लोगों से कि उन्होंने इस योजना को बंद क्यों किया हमारा वादा है हुड्डा साहब की स्कीम उन 7 लाख लोगों के लिए थी 3 लाख 92 हजार को दे दिया और पूरे 7 लाख लोगों को प्लॉट दिए जाएंगे।

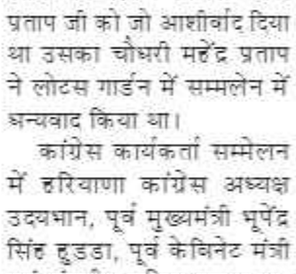

मनधीर मान कांग्रेस नेता

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन के आयोजन पर मनधीर मान ने कहा कि सारे प्रदेश को मालूम है और आपको तो मालूम ही है कि यह सरकार कांग्रेस बनाने जा रही है और इसके नेता चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा रहेंगे यह बात बिल्कुल पत्थर पर लिखी हुई लकीर की तरह है

लेकिन इस लकीर को हमें साबित करके दिखाना है तो साबित करने में मैं अपने नेताओं से आग्रह करूंगा की बहुत जल्दी ऐसी व्यवस्था संगठन की बना दे ताकि हम इस चीज को हासिल कर सके और मैं आप सभी का यहां आने पर बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं यह कार्यकर्ता सम्मेलन है

4 तारीख को नतीजे आने के बाद उसके अगले इतवार में फरीदाबाद पलवल लोकसभा क्षेत्र में जो आप लोगों ने 6:15 लाख वोट देकर चौधरी महेंद्र प्रताप जी को जो आशीर्वाद दिया था उसका चौधरी महेंद्र प्रताप ने लोटस गार्डन में सम्मेलन में धन्यवाद किया था।

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुडडा, पूर्व केबिनेट मंत्री एवं संसदीय सचिव शारदा राठौर, नूंह विधायक आफताब अहमद, फरीदाबाद एनआईटी विधायक नीरज शर्मा, पूर्व विधायक ललित नागर, कांग्रेस नेता लखन सिंगला, विजय प्रताप, रघुवीर तेवतिया, लुकमान रमीज, गिरीश भारद्वाज, मनधीर मान, बालू सिंह एडवोकेट, लाला शर्मा आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

समाधान शिविर में हर रोज निपटाई जा रहीं नागरिकों की शिकायतें : डीसी

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर समस्याओं के समाधान में कारगर सिद्ध हो रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए समाधान शिविर के प्रति शिकायतकताओं का विश्वास शासन-प्रशासन के प्रति बढ़ रहा है। शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित शिविर में जिला के नागरिक अपनी-अपनी विभिन्न प्रकार की समस्याएं लेकर डीसी धीरेंद्र खडगटा व एडीसी प्रदीप सिंह मलिक के समक्ष उपस्थित हुए। डीसी व एडीसी ने नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करवाया। डीसी ने निर्देश दिए कि संबंधित विभाग समाधान शिविर में आने वाली वृद्ध महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की समस्याओं को विशेष तवज्जो देते हुए निपटाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस बात का ध्यान रखें कि लोगों को शिकायतों व समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े। समाधान शिविर में विशेषतौर पर फैमिली आईडी में आय ठीक करवाने, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बिजली, पानी, पीपीपी में त्रुटियों को दुरुस्त करने सहित विभिन्न प्रकार की समस्याएं गंभीरता से सुनी जा रही हैं। प्रदेश सरकार के निर्देशों पर जिला में आयोजित हो रहे समाधान शिविरों में त्वरित समाधान होने से खुश लोग हरियाणा सरकार व जिला प्रशासन की कार्यशैली की सराहना करते हुए सरकार व जिला प्रशासन का आभार जता रहे हैं। शिविर में लोगों को उनकी समस्याओं का तुरंत प्रभाव से समाधान मिल रहा है।

बिजेंद्र नेहरा ने लगाया खुला दरबार, समस्याओं का किया समाधान

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। भाजपा हरियाणा प्रदेश प्रवक्ता विजेन्द्र नेहरा ने अपने कार्यालय पर पृथला क्षेत्र लोगो की समस्याएं सुनकर उनका समाधान किया।जब नेहरा से पूछा गया कि अपने कार्यालय के माध्यम से लोगों की समस्याएं दूर करने की प्रेरणा कहां से मिली तो उन्होंने 'कौन बताता है समुन्दर का रास्ता नदी को, जिसे मंजिल का जुनून है वो मशवरा नहीं लेते।' शेर के जरिए अपना जवाब दिया।

उन्होंने बताया कि अक्सर अपने साहूपुरा जाट चौक स्थित पृथला विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यालय पर आए हुए स्वजनों की सेवा में उनकी समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करने की कोशिश करते हैं।

पहली बरसात में ही परिषद के

समाचार गेट/संजय राघव

सोहना। बीरवार की देर रात को जमकर हुई बरसात ने जहां गर्मी व उम्स से लोगों को छुटकारा दिलाया वहीं पहली बरसात में परिषद के सभी दावों को फेल कर दिया। पहली बरसात के कारण लोगों को घरों में पानी भरने से परेशानी का सामना करना पड़ा कस्बे में कई वार्ड ऐसे थे जहां पर बरसात मुसीबत बनकर बरसी। इस बरसात से नगर परिषद की सफाई व्यवस्था के सभी दावों की पोल भी खोल दी ।बरसात से पहले परिषद ने नगर के सभी वार्डों को बेहतर साफ सफाई करने का दावा किया था ।लेकिन पहले ही बरसात में नालियां उफन गई ।गंदगी गलियों में बहती दिखाई दी। नालियों का पानी सड़कों पर आने से भयावह सिथिति बन गई ।सबसे ज्यादा हाल खराब सोहना बस स्टैंड मार्ग पर हुआ जहाँ पानी की उचित निकाशी व्यवस्था न होने के कारण घुटने घुटने तक गंदगी भर पानी से राहगीरों को निकलना पड़ा। गंदगी युक्त पानी कॉलोनी के कई घरों में प्रवेश कर गया ।

अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाडियों को मिलेगा नकद पुरस्कार

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने बताया कि प्रदेश के खेल विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाडिों नकद पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की है। पात्र खिलाड़ी नकद पुरस्कार के लिए अपने आवेदन पत्र जिला खेल अधिकारी के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार ने बताया उपायुक्त के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए खेलों से संबंधित विभिन्न योजनाओं को जिले में लागू किया जा रहा है। उन्होंने इस पुरस्कार योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 जुलाई है। केवल वही खिलाड़ी इस पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने 1 जनवरी 2023 से 31 मार्च 2024 के बीच अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर हुई विभिन्न खेलों में खेल उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विभाग के द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र खिलाड़ी द्वारा साफ स्पष्ट तरीके से भरने उपरान्त जमा करवाना होगा। आवेदन के साथ खिलाड़ी की उच्चतम उपलब्धियों की सत्यापित छाया प्रति, सत्यापित खिलाड़ी का बैंक खाता संख्या जोकि बैंक द्वारा सत्यापित किया हो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, खिलाड़ी का रिहायशी प्रमाण पत्र, परिवार पहचान की छाया प्रति आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अति-आवश्यक हैं। इसके अलावा एक शपथ पत्र भी देना होगा कि उक्त खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में पॉजिटिव नहीं मिला है।

बस स्टैंड पर दैनिक यात्रियों के लिए लगाए गए वाटर कूलर का किया उद्घाटन

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

होडल पुराना बस स्टैंड के प्रांगण में इस चिलचिलाती गर्मी में दैनिक यात्रियों के लिए लगाए गए ठंडे पानी के वाटर कूलर का शुक्रवार को रोडवेज विभाग के जीएम अजय गर्ग ने विधिवत उद्घाटन किया। यह वाटर कूलर स्वर्गीय समाजसेवी मोहनलाल मंगला की पुण्यतिथि पर लगाया गया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में अजय गर्ग ने कहा कि इस वाटर कूलर का ठंडा पानी इस भीषण गर्मी में बस की इंतजार कर रहे दैनिक यात्रियों की प्यास बुझाएगा। उन्होंने कहा कि यह एक सराहनीय कार्य है। इस प्रकार के कार्यों में सामाजिक संस्थाओं को बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। रोडवेज के जीएम से होडल बस स्टैंड से कम बसें चलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह से होडल बस स्टैंड से चंडीगढ़ व नूह के लिए दो बस चलाई जाएंगी। इसके अलावा अगस्त महीने की शुरूआत से होडल बस स्टैंड से अन्य बसों का भी आवागमन शुरू हो जाएगा। जीएम ने बताया कि अगले एक महीने के अंदर होडल से दिल्ली के लिए भी बस चालू हो जाएगी। जब पत्रकारों ने पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर द्वारा होडल में नया बस बनाने की घोषणा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह विभाग के आला अधिकारियों का काम है। उन्होंने बताया की हाईवे गोडोता चौक स्थित हैफेड गोदाम की जगह पर नया बस अड्डा बनाने की प्रक्रिया चल रही है। रोडवेज विभाग के अधिकारियों ने हैफेड विभाग के अधिकारियों को लेटर भेजकर एनओसी मांगी है जब रोडवेज को हैफेड विभाग एनओसी दे देगा उसके बाद की बस स्टैंड बनाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने हाइवे व होडल हसनपुर रोड पर वे रोकटोक दौड़ रही कंडम बसों पर कार्रवाई करने के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा की उन बसों के खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी आईटीओ की है। इस मौके पर सुनील मंगला, कैलाश मंगला, होडल बस स्टैंड प्रधान राज सिंह, बिजेंद्र प्रधान, दुलीचंद शर्मा, महेश, नरेश, होशियार, बबली विंदल के अलावा अन्य समाजसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद थे।

शख्स ने नासा पर ठोका 80,000 डॉलर का मुकदमा, घर पर अंतरिक्ष से गिरा मलबा, छत से लेकर फर्श तक कर दिया छेद

वाशिंगटन । अमेरिका में एक शख्स को नासा बड़ा सदमा दे गया, जिसके बाद उक्त शख्स ने अंतरिक्ष एजेंसी के खिलाफ मुकदमा ठोक दिया है। यह शख्स अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित नेपल्स का रहने वाला है। उसने नासा से 80,000 डॉलर यानी करीब 67 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना इस साल 8 मार्च की है। नेपल्स में एलेयांद्रो ओटेरो के घर पर अंतरिक्ष से एक बड़ा सा मलबा आ गिर गया। इस मलबे ने उनके घर की छत से लेकर फर्श तक में छेद कर दिया। इस घटना के वक्त एलेयांद्रो अपने परिवार के साथ छुट्टी मनाने गए हुए थे। घर पर सिर्फ उनका बेटा डैनियल मौजूद था, जिसने उन्हें फोन करके इसके बारे में बताया। ओटेरा ने बताया, 'मैं यह सुनकर कांप रहा था। मैं पूरी तरह से हैरान था। मैं सोच रहा था कि आखिर हमारे घर पर इतनी ताकत से कौन सी चीज गिर गई, जिससे इतना नुकसान हो गया।' एलेयांद्रो ने घर पहुंचकर देखा तो उन्होंने 41.6 इंच का एक सिलेंडर दिखा, जिसका वजन करीब 1.6 पाउंड यानी करीब 700 ग्राम था। वह सोच रहे थे कि आखिर ये चीज़ कहां से आई, जिसने उनके घर को तबाह कर दिया। नासा ने बाद में पुष्टि की कि यह सिलेंडर उसके स्पेस स्टेशन से निकला था। उसने बताया कि इसका इस्तेमाल कार्गो पैलेट पर पुरानी बैटरियों को माउंट करने के लिए किया जाता था। इसे 2021 स्पेस स्टेशन से छोड़ा गया था। ऐसी चीज़े के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते ही पूरी तरह से जल जाती है, हालांकि यह एक टुकड़ा बच गया और अंतरिक्ष में करीब 3 साल मंडराने के बाद ओटेरो परिवार की प्रॉपर्टी पर गिर गया।वहीं ओटेरा परिवार के वकील मीका गुयेन वर्थी ने इस मुद्दे की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा, 'मेरे मुवक्किल इस घटना से उनके जीवन पर पड़ने वाले तनाव और प्रभाव के लिए पर्याप्त मुआवजे की मांग कर रहे हैं। वे शुक्रगुजार हैं कि इस घटना से किसी को भी शारीरिक चोट नहीं लगी, लेकिन इस तरह की स्थिति भयावह हो सकती थी। अगर मलबा दूसरी दिशा में कुछ फीट दूर गिरता, तो गंभीर चोट या मौत हो सकती थी।' वर्थी ने यह भी बताया कि इस केस का मकसद निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में अंतरिक्ष मलबे के दावों के लिए एक मिसाल कायम करना है। वहीं नासा को इस मामले ओटेरो परिवार की तरफ से मांगे गए मुआवजे का जवाब देने के लिए छह महीने का समय दिया गया है। बता दें कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के नाम पर कई रिकॉर्ड दर्ज हैं। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में इस एजेंसी का नाम लोग बड़े सम्मान से लेते हैं।

प्रेमी ने तोडा वादा तो कोर्ट पहुंची लडकी , प्रेमी पर लगाया 'वर्बल कॉन्ट्रैक्ट' के उल्लंघन का आरोप

क्राइस्टचर्च । एक लड़की के ब्वॉयफ्रेंड ने उससे किया गया वादा नहीं निभाया, तो वह कोर्ट पहुंच गई और प्रेमी पर 'वर्बल कॉन्ट्रैक्ट' के उल्लंघन का आरोप लगाया। न्यूजीलैंड की रहने वाली एक प्रेमिका ये बर्दाश्त नहीं कर पाई कि उसके प्रेमी ने उससे जो वादा किया, वो पूरा नहीं किया। अब ये प्रॉमिस कोई शादी को लेकर नहीं था बल्कि बात इतनी सी थी कि उसने लड़की को एयरपोर्ट छोड़ने के लिए कहा था, लेकिन वो नहीं गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक न्यूजीलैंड की रहने वाली एक लड़की ने अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड पर 'वर्बल कॉन्ट्रैक्ट' का उल्लंघन करने का केस ठोका है। पढ़ने में ये बात जितनी भारी-भरकम है, मामला उतना ही मज़ेदार है। दरअसल हुआ यूं कि लड़की को एक म्यूजिक कॉन्सर्ट के लिए दूसरे शहर में जाना था। प्रेमी ने कहा था कि वो उसे एयरपोर्ट तक छोड़ देगा और उसकी गैर हाजिरी में दो दिन तक उसके दो पेट डॉग्स का भी ख्याल रखेगा। हालात ऐसे बने कि लड़का उसे छोड़ने नहीं आ सका और लड़की की फ्लाइट छूट गई। लड़की ने डिस्प्यूट ट्रिब्यूनल को बताया कि वो साढ़े 6 साल से रिलेशनशिप में है। ऐन वक्त पर ब्वॉयफ्रेंड ने मैसेज का रिप्लाई नहीं दिया और उसे अपनी ट्रिप कैंसिल करनी पड़ी। अगले दिन जाने पर उसके काफी पैसे खर्च हो गए और इसकी वजह सिर्फ उसका वादा न पूरा करना थी। मामले में अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि जब तक आप कानूनी रूप से बाध्यकारी किसी रिश्ते में नहीं हैं, तब तक इस तरह का दबाव नहीं डाला जा सकता यानि लड़की को निराश होना पड़ा। बता दें प्रेमी-प्रेमिका का रिश्ता ही नोकझोंक से भरा होता है। कभी प्यार तो कभी तकरार से ही ये रिलेशनशिप आगे बढ़ता है।

ब्रिटेन में 4 जुलाई को वोटिंग

लंदन । ब्रिटेन में भारतवंशी पीएम ऋषि सुनक और उनकी कंजरवेटिव पार्टी का जल्द चुनाव का दांव फेल होता दिख रहा है। एक सप्ताह बाद 4 जुलाई को होने वाली वोटिंग से पहले अधिकांश सर्वे में कंजरवेटिव पार्टी के सफाए की भविष्यवाणी कर रहे हैं। सर्वे में सुनक की पार्टी को सबसे ज्यादा 117 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं, सावंता-गार्जियन के सर्वे में दावा किया गया है कि कंजरवेटिव पार्टी 53 सीटों पर ही सिमट सकती है। जो 2019 के चुनाव की 365 सीटों की तुलना में बेहद कम है। वहीं, 650 सीटों वाले सदन में कीर स्टारमर की लेबर पार्टी को सबसे कम 425 और अधिकतम 516 सीटें मिलने का अनुमान है। 7 सर्वे के औसत में भी सुनक को 95 और स्टारमर को 453 सीटें मिलती दिख रही है।

रहने के हिसाब से सबसे खराब शहर में शामिल हुआ कराची

नई दिल्ली । पाकिस्तान के शहर कराची को दुनिया के सबसे कम रहने योग्य 5 शहरों में से एक का दर्जा मिला है। हाल ही में हुए वैश्विक सर्वे में कराची को बेहद खराब रैंकिंग मिली है। पाकिस्तान का बंदरगाह शहर कराची कभी अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और आधुनिक शिक्षा के लिए मशहूर था लेकिन अब पाकिस्तान की तरह ही इसकी हालत भी बदतर हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सर्वे एजेंसी ने स्वास्थ्य देखभाल, संस्कृति और पर्यावरण, स्थिरता, इंफ्रास्ट्रक्चर और शिक्षा सहित कई महत्वपूर्ण कारकों पर दुनिया भर के 173 शहरों की रैंकिंग की है। इस सूची में कराची 169वें स्थान पर है। कराची को कुल 42.7 स्कोर मिला है। स्थिरता संकेतक में कराची ने बेहद खराब प्रदर्शन करते हुए 100 में से महज 20 अंक हासिल किए। कराची को स्वास्थ्य के लिए 54.2, संस्कृति और पर्यावरण के लिए 35.9, शिक्षा के लिए 75 और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 51.8 अंक मिले। सर्वे में कराची को दुनिया के सबसे कम रहने योग्य 5 शहरों में रखा गया है। सीरिया की राजधानी दमिश्क को दुनिया में सबसे कम रहने योग्य शहर माना गया है। नीचे से दूसरे स्थान पर लीबिया की राजधानी त्रिपोली, तीसरे पर अल्जीरिया का शहर अल्जीयर्स, चौथे पर नाइजीरिया का लागोस और पांचवें स्थान पर कराची है। वहीं ऑस्ट्रिया की राजधानी पिछले कई सालों की तरह इस बार भी दुनिया का सबसे ज्यादा रहने योग्य शहर है। 98.4 अंकों के साथ यह लिस्ट में शीर्ष पर कायम है। डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन ने भी अपना दूसरा स्थान कायम रखा है, जबकि स्विट्जरलैंड का ज्यूरिख पहले छठे स्थान पर था जो अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

खून देखकर मिलती है खुशी.....10 साल की उम्र में कर दिया मर्डर

लंदन । आप क्राइम थ्रिलर और मर्डर से जुड़ी खबरों में दिलचस्पी रखते हैं, तब ये खबर आपके लिए है। इंग्लैंड की रहने वाली मैरी बेल ने 10 साल की उम्र में, चार साल की मार्टिन ब्राउन का गला घोंटकर हत्या कर दी थी और अपने परिवार को एक नोट लिखकर इसकी जानकारी दी।

इस मर्डर के दो माह बाद मैरी बेल ने तीन साल की ब्रायन होवे को मार डाला। मैरी ने कई अन्य बच्चों का गला घोंटने का प्रयास कर अपने नोट्स में हत्या जारी रखने की इच्छा व्यक्त की। लगातार कई हत्याओं में दोषी होने के बाद मैरी पर केस दर्ज हुआ और मुकदमा चला और ये माना गया कि मैरी सिर्फ अपनी खुशी के लिए खून करती है। जिसके बाद मैरी को 12 साल की सजा हुई। मैरी की मां बेट्टी मैकक्रिकेट एक 16 साल की सेक्स वर्कर थी। वे अक्सर मेरी बैल को छोड़कर घूमने निकल जाती थी। तब मैरी बैल के साथ किस तरह का बर्ताव होता था ये कहा नहीं जा सकता। उसकी मां ने ये कोशिश की थी कि कोई उसे कोई एडोप्ट कर ले। लेकिन बात नहीं बन सकी। बताया जाता है बचपन में ठीक से परवरिश न मिलने के कारण मैरी का व्यवहार ऐसा हुआ है। हत्या के मामले में मैरी और नोर्मा को स्कूल के बाहर पकड़ा गया था, लेकिन तुरंत रिहा कर दिया गया। मार्टिन की हत्या के बारे में मैरी के दावों को शुरू में ध्यान आकर्षित करने वाला बताकर खारिज कर दिया गया था। लेकिन मैरी की तरफ से हत्या की घटनाएं बंद नहीं हो रही थीं। इसके बाद मैरी के खतरनाक स्वभाव और बच्चों के प्रति उसके खतरे को देखते हुए, मैरी बेल को अनिश्चितकालीन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

मोदी सरकार के 10 साल के प्रयास.... अगले दशक में आर्थिक महाशक्ति बनेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार की प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ इसके लिए आपूर्ति श्रृंखला केंद्र बनाने और मजबूत जीडीपी दर हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ने की वजह से भारत अगले दशक में वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। बीतें 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के कारण देश ने अपनी मजबूत आर्थिक यात्रा शुरू की। चाहे वह लोकल उत्पादों के निर्माण, नए सेमीकंडक्टर संयंत्र, एआई, 5जी, स्टार्टअप, नवाचार और विभिन्न क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं पर जोर हो या फिर श्रमिकों को कुशल बनाना और लाखों नई नौकरियां पैदा करना हो।

इसके बाद पीएलआई योजना से प्रेरित होकर देश के मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का तीन गुना विस्तार होने का अनुमान है। जो मौजूदा 459 बिलियन डॉलर से 1.66 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। यह वृद्धि पिछले दशक में हुई 175 बिलियन डॉलर की औसत वृद्धि से अधिक है। एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का योगदान वित्त वर्ष 2024 में 14 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2034 तक 21 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में 12 लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा हुई हैं और यह 100 बिलियन डॉलर को पार कर गई हैं। अगले पांच वर्षों में भारत का इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग 250 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अगले कुछ वर्षों में 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं के तहत 3 लाख करोड़ से 4 लाख करोड़ रुपये तक निवेश होने का अनुमान है।

संसद में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि तेजी से विकास के लिए भारत के लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुधारों की गति को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में, भारत 11वें स्थान से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। 2021 से 2024 तक भारत ने औसतन 8 फीसदी की दर से सालाना वृद्धि दर्ज की है।

उत्तराखंड सरकार ने 'ग्लेशियर झीलों के लिए एहतियाती कदम उठाने का लिया निर्णय

देहरादून। 'ग्लेशियर झील से उत्पन्न तबाही से सबक लेते हुए उत्तराखंड सरकार ने चिन्हित ऐसी 13 'ग्लेशियर झीलों के लिए एहतियाती कदम उठाने का निर्णय लिया है जो आने वाले समय में बड़ा खतरा बन सकती हैं। उत्तराखंड के आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत सिन्हा ने बताया कि उपग्रह से मिले चित्रों के आधार पर प्रथम चरण में पांच सबसे खतरनाक झीलों के लिए जल्द ही विशेषज्ञों की टीम भेजी जाएंगी जो उनसे होने वाले खतरे के बारे में पूरा वैज्ञानिक अध्ययन करेंगी। रंजीत सिन्हा ने कहा, ''इन झीलों के लिए हम 'एक्सपेडिशन भेज रहे हैं जिनकी रिपोर्ट के आधार पर वहां पूर्व चेतावनी प्रणाली सहित खतरे को कम करने के उपाय किए जाएंगे। हम झील से खतरे के बारे में पूरा अध्ययन करेंगे और फिर कार्रवाई करेंगे। सिन्हा ने बताया कि दो विशेषज्ञ टीम बनाई गई हैं जिनमें से एक की अगुवाई भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) तथा दूसरे की अगुवाई सी-डैक कर रहा है। उनके अनुसार इन टीम में वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान जैसे तकनीकी एजेंसियों तथा भारत तिब्बत सीमा पुलिस, राज्य आपदा प्रतिवादन बल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल जैसे अर्धसैनिक बल तथा उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारी होंगे।

प्रति व्यक्ति आय में महाराष्ट्र पिछड़ा, विधानसभा चुनावों में बन सकता है मुद्दा

-तेलंगाना पहले नंबर पर तो कर्नाटक और हरियाणा भी आगे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र के पहले दिन आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया गया। इसमें देश में प्रति व्यक्ति आय के मामले में तेलंगाना जहां शीर्ष पर है तो वहीं महाराष्ट्र छठें स्थान पर आ गया है, वहीं गुजरात, महाराष्ट्र से आगे है। आर्थिक सर्वेक्षण में सामने आई यह तस्वीर आगामी चुनावों में महायुति सरकार के घटक दलों के लिए सिरदर्द बन सकती है। लोकसभा चुनावों में महाविकास आघाडी ने महाराष्ट्र का विकास नहीं होने और राज्य से उद्योग-धंधे गुजरात जाने को मुद्दा बनाया था।

उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना ने हीरे का कारोबार सूरत शिफ्ट होने और सेमीकंडक्टर प्लांट को गुजरात जाने पर बीजेपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना को घेरा था। महाराष्ट्र आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में सामने आया है कि राज्य प्रति व्यक्ति आय में छठवें नंबर पर है। महाराष्ट्र में प्रति व्यक्ति की आय 2,52,389 रुपए बताई गई है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में तेलंगाना पहले नंबर पर है तो वहीं दूसरी नंबर पर कर्नाटक और फिर हरियाणा है।

महाराष्ट्र के गुजरात के पीछे होने को महाविकास आघाडी मुद्दा बना सकती है। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि 2021-22 में बड़े उछाल के बाद महाराष्ट्र का विकास इंजन धीमा हो गया है। महामारी में अर्थव्यवस्था तो बनी लेकिन बची भी और कायम भी रही। इसके बाद इसके बढ़ने की उम्मीद थी, शुरुआत तो अच्छी हुई, लेकिन चीजें ठीक नहीं चल रही हैं। यह चिंता का कारण होना चाहिए। वित्तीय वर्ष 2021-2022 और पिछले आर्थिक सर्वेक्षण में महाराष्ट्र प्रति व्यक्ति आय के मामले में पांचवें नंबर पर था। तब कर्नाटक, तेलंगाना, हरियाणा और तमिलनाडु उससे आगे थे। पिछले सर्वेक्षण में महाराष्ट्र के लोगों की प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी हुई थी। यह वित्तीय वर्ष 2021-2022 के मुकाबले 2,15,233 रुपए से बढ़कर 2,42,247 रुपए हो गई थी। इस बार के सर्वेक्षण में भी प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2,52,389 रुपए हुई, लेकिन महाराष्ट्र, गुजरात से पीछे हो गया है।

तमिलनाडु विधानसभा ने नीट को रद्द करने का प्रस्ताव किया पारित, विपक्ष ने किया वॉकआउट

चेन्नई (एजेंसी)। सदन से विपक्ष के बहिर्गमन के बावजूद तमिलनाडु विधानसभा ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से राज्य से एनईईटी को खत्म करने और छात्रों को 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अनुमति देने का आग्रह किया। प्रस्ताव को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि सत्तारूढ़ द्रमुक राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित एनईईटी के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी, जो स्नातक परीक्षाओं और अन्य कार्यक्रमों के संचालन में कथित अनियमितताओं को लेकर जांच के दायरे में है।

राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी सूर्या समेत कई नेताओं ने पत्र लिखकर नीट पर रोक लगाने की मांग की है। स्टालिन ने कहा कि मैं विधानसभा से आग्रह करता हूं कि हमें एनईईटी से छूट दिलाने और देश भर में एनईईटी को हटाने के लिए इस प्रस्ताव को एक अग्रदूत के रूप में पारित किया जाए। प्रस्ताव के अनुसार, एनईईटी ने ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों की चिकित्सा की पढ़ाई की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया और स्कूली शिक्षा को बेकार कर दिया, और मेडिकल कॉलेजों में छात्रों के लिए सीटें आवंटित करने का अधिकार छीन लिया। स्टालिन ने कहा कि एनईईटी को हटाया जाना चाहिए। तमिलनाडु को छूट दी जानी चाहिए। केंद्र सरकार को विधानसभा द्वारा पारित विधेयक को मंजूरी देनी चाहिए, जिसमें चिकित्सा की पढ़ाई के लिए 12वीं कक्षा के अंकों को आवश्यक योग्यता के रूप में अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, चूंकि कई राज्य परीक्षा प्रणाली का विरोध कर रहे हैं, जिसे कई विवादों का सामना करना पड़ा है, इसलिए एनईईटी को हटाने के लिए केंद्र द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम में आवश्यक संशोधन किए जाने चाहिए। भाजपा विधायक नैनार नागेंद्रन ने प्रस्ताव का विरोध किया और दावा किया कि यह कांग्रेस ही थी जो नीट लेकर आई थी। विपक्ष के विधानसभा से बाहर जाने से पहले नागेंद्रन ने कहा कि एनईईटी जरूरी है और इसलिए हम इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं कर सकते और हमने वॉकआउट करने का फैसला किया है।

हद हो गई... जेल जाते वक्त मेकअप करती दिखी पवित्रा गौड़ा , पुलिस ने महिला सब इंस्पेक्टर को नोटिस जारी किया

बेंगलुरु । कर्नाटक पुलिस ने रेणुकास्वामी हत्याकांड की आरोपी और अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा के मामले को लेकर महिला सब इंस्पेक्टर को नोटिस जारी कर दिया है। दरअसल कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन थुगुदीपा की सहयोगी और अभिनेत्री पवित्रा को पुलिस हिरासत में मेकअप करते हुए देखा गया। बता दें कि 15 जून को, पवित्रा को बेंगलुरु में अपराध स्थल की जानकारी दर्ज करने के लिए उनके बेंगलुरु स्थित आवास पर ले जाया गया। इस दौरान, पवित्रा को अपने घर से जेल जाते समय लिपस्टिक और मेकअप लगाए और मुस्कुराते हुए देखा गया था। इस हरकत के बाद पवित्रा गौड़ा का नाम फिर से चर्चा में आ गया और मामले में बहस छिड़ गई। डीसीपी (पश्चिम) के कार्यालय से एसआई को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। पुलिस ने नोटिस में कहा है, उस दिन उन्होंने पवित्रा को मेकअप क्यों करने दिया गया। इस बीच, पवित्रा गौड़ा की मां और बेटी ने केंद्रीय जेल में मुलाकात की और इस दौरान वे रो पड़ीं। सूत्रों से पता चला कि दूसरी ओर, पुलिस अधिकारियों ने दर्शन के पास मौजूद दो अमेरिकी निर्मित पिस्तौल को जब्त करने का आदेश पारित किया है।

सुधांशु त्रिवेदी का विरोधियों पर तंज.... राम का अस्तित्व नकारने वाले आज सबूत दे रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हमारी सरकार ने नालंदा विश्वविद्यालय को पुनर्स्थापित करने का फैसला किया। नालंदा विश्वविद्यालय को लेकर राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि आप पुस्तकों को जला सकते हैं, इमारतों को जला सकते हैं, लेकिन भारत के ज्ञान और संस्कृति को नहीं जला सकते। उन्होंने कहा कि जब भारत की सांस्कृतिक चेतना की बात होती है, तब हमारे मन में भव्य राम मंदिर की बात भी आती है। इस बार अयोध्या सीट पर हमें वांछित सफलता नहीं मिली। इसके बाद विपक्ष के चेहरों पर चमक दिखाई पड़ती है। हमारे विरोधी बता रहे हैं कि आप अयोध्या हार गए, बस्ती हार गए, चित्रकूट हार गए, प्रयागराज हार गए, नासिक, रामटेक और रामेश्वरम हार गए।

जो लोग पहले कहते थे राम हुए थे, इसका सबूत दो, वे लोग आज उत्तर से लेकर दक्षिण तक राम से जुड़े सबूत दे रहे हैं। यूपी में 30 साल पहले कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बसपा ने मिलकर सरकार बनाई थी। तब एक नारा लगा था, 'मिले मुलायम कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्री राम। हम तभी हवा में नहीं उड़े थे और कुछ समय बाद ही अपनी सरकार बनाकर दिखा दी थी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने लक्ष्य रखा था कि 2030 तक भारत की इंस्टॉल कैपेसिटी पावर जेनरेशन का 40 प्रतिशत तक ग्रीन एनर्जी से होगा। पहले हमेशा सरकारें देर से लक्ष्य हासिल करती थी, पहली बार भारत के इतिहास में यह लक्ष्य 8 साल पहले वर्ष 2022 में हासिल कर लिया गया।

उन्होंने कहा कि लोगों के घर पर सोलर रूफटॉप लग रहे है। यह एक ऐसी योजना होगी, जिससे पर्यावरण पर किसी भी प्रकार का प्रभाव नहीं होगा। मुफ्त की ऊर्जा मिल रही है, वह भी सरकारी खजाने पर प्रभाव डाले बिना। हम हाइड्रोजन एनर्जी मिशन की ओर बढ़ रहे हैं। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सत्ता पक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आप जो बोल रहे हैं, कौन सुन रहा है आपका भाषण, हम नहीं सुन रहे।

भविष्य में बीजेपी के साथ जाने का कोई औचित्य नहीं: दुष्यंत चौटाला

-जेजेपी के साथ मिलकर कांग्रेस राज्यसभा में उतारे उम्मीदवार, हम देंगे साथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री और जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दुष्यंत चौटाला बीजेपी के साथ हुए गठबंधन को लेकर खुलकर बोले उन्होंने कहा है कि जेजेपी को बीजेपी के साथ गठबंधन करके भारी नुकसान हुआ है। दुष्यंत ने कहा कि भविष्य में बीजेपी के साथ जाने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता में बीजेपी के प्रति भारी रोष था, जिसका खमियाजा जेजेपी को उठाना पड़ा।

हरियाणा में राज्यसभा की एक सीट पर होने वाले चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी मिलकर खेल रहे हैं। अगर कांग्रेस वाकई बीजेपी को टक्कर देना चाहती है तो सांझा सामाजिक राज्यसभा उम्मीदवार उतारे, हम साथ देने को तैयार हैं। कांग्रेस पहले ही मैदान छोड़ रही है, भूपेंद्र हुड्डा की ओर से नंबर न होने की बात कहना बीजेपी के साथ मैच फिक्सिंग जैसा दिखता है। कांग्रेस किसी भी सामाजिक व्यक्ति या किसी खिलाड़ी को राज्यसभा में भेजे, विपक्ष पूरी तरह से एकजुट होगा।

भविष्य की रणनीति पर दुष्यंत ने कहा कि 5 जुलाई से जेजेपी की ओर से जिलास्तर पर बैठकें की जाएंगी। सभी 22 जिलों में कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेकर विधानसभा चुनाव की तैयारी की जाएगी। जेजेपी प्रदेश की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारेगी। लोकसभा में चुनाव का नारा मोदी हराओ या मोदी जिताओ था, लेकिन विधानसभा में परिणाम इसके उलट होंगे। हरियाणा में लगातार बढ़ रही आपरा के मुद्दे पर नायब सैनी सरकार को घेरते हुए दुष्यंत ने कहा कि पिछले एक सप्ताह में हत्या, लूट जैसी अनेक आपराधिक घटनाएं हुईं, जो 20 साल में एक सप्ताह में कभी नहीं हुईं। सीएम नायब सैनी को गृह विभाग छोड़कर किसी अन्य मंत्री को देना चाहिए।

वहीं, राज्यसभा चुनाव के लिए संयुक्त उम्मीदवार उतारे जाने को लेकर दुष्यंत के बयान पर नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि इस चुनाव को लेकर कांग्रेस का स्टैंड साफ है। वे 14 विधायक एकत्र करके दें, कांग्रेस के सभी विधायक निर्दलीय उम्मीदवार को वोट देकर राज्यसभा पहुंचाएंगे। हुड्डा ने दुष्यंत का नाम लिए बिना कहा कि चाहें तो वह अपने प्रत्याशी उतार दें, लेकिन बीजेपी के खिलाफ अगर उनकी नियत है तो 14 विधायक एकजुट करें। अलग-अलग बयानों के बजाय विधायकों को एकजुट करने में अपनी ऊर्जा लगाएं ताकि बीजेपी को हरा सकें।

यूपी सरकार ने किया मेडिकल सीट लीविंग बॉन्ड पॉलिसी को खत्म

-अगले साल फिर से दाखिला लेने पर रोक रहेगी बरकरार

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई कर रहे हैं या करने जाने वालों के लिए एक अच्छी खबर आई है। अब योगी सरकार ने उत्तरप्रदेश में मेडिकल सीट लीविंग बॉन्ड पॉलिसी को खत्म करने का फैसला लिया है। ये एमबीबीएस, बीडीएस या पीजी मेडिकल कोर्स करने वालों के लिए किसी बड़े बदलाव से कम नहीं, जिसका इंतजार वह सालों से करते थे।

अगर आप मेडिकल की सीट छोड़ते, यानी किसी भी कारण से पढ़ाई बीच में छोड़ते हैं तो आपको उस कॉलेज को एक मोटी रकम जुर्माने के तौर पर देनी पड़ती थी जहां से आप पढ़ाई कर रहे होते थे। एमबीबीएस, बीडीएस के लिए यूपी सरकार मेडिकल कॉलेजों में एक लाख रुपए और निजी मेडिकल कॉलेजों में पूरी फीस देनी पड़ती थी। जबकि पीजी की सीट छोड़ने पर पांच लाख रुपए का जुर्माना देना होता था।

अब यूपी की योगी सरकार ने मेडिकल की पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले छात्रों पर लगाया जाने वाला जुर्माना हटा दिया है लेकिन, अगले साल फिर से दाखिला लेने पर रोक बरकरार रहेगी। हालांकि, इस बड़े फैसले के साथ ही मेडिकल सीट लिविंग बॉन्ड भरवाने का नियम खत्म करने वाला यूपी दूसरा राज्य बन गया है। इससे पहले मध्यप्रदेश ऐसा फैसला कर चुका है।

मेडिकल एजुकेशन महानिदेशक, किंजल सिंह ने बताया कि एमबीबीएस कोर्स छोड़ने वाले छात्र पहले से ही बहुत दबाव में होते हैं क्योंकि वे एक सुनहरा करियर छोड़ रहे होते हैं। वे ऐसा अंतिम विकल्प के रूप में करते हैं और उनके पास वाजिब कारण होते हैं, जिनमें आर्थिक कारण भी शामिल हैं। ऐसी स्थिति में, सरकार ने सोचा कि उनसे जुर्माने के रूप में पैसे लेना सही फैसला नहीं है। इसलिए, जुर्माने के वित्तीय हिस्से को खत्म कर दिया है। किंजल ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के साथ बातचीत के आधार पर एक प्रस्ताव भेजा था। उन्होंने कहा कि जुर्माने का दूसरा हिस्सा वही रहेगा जहां एक उम्मीदवार को अगले साल नीट एग्जाम और काउंसलिंग में भाग लेने से रोक दिया जाएगा।

सिंह ने कहा कि हम यूपी में एमबीबीएस सीट्स और कॉलेजों की संख्या बढ़ा रहे हैं। हमारा ध्यान ज्यादा से ज्यादा उम्मीदवारों को डॉक्टर बनने में मदद करना है। इसलिए, छात्रों के हित में सीट छोड़ने के बॉन्ड में उल्लिखित वित्तीय दंड को खत्म करने का निर्णय लिया गया है लेकिन यहां पैसा महत्वपूर्ण नहीं है ऐसे में, हमें उम्मीदवार के साथ सहानुभूति रखने की जरूरत है, इस फैसले को ध्यान में रखते हुए कि वे अपना पूरा करियर दांव पर लगा रहे हैं। यूपी में वर्तमान में 60 से ज्यादा मेडिकल कॉलेजों में 9278 एमबीबीएस और 2070 बीडीएस सीटें हैं। एक दर्जन से ज्यादा नए मेडिकल कॉलेजों के 2024 नीट काउंसलिंग में शामिल होने की उम्मीद है। यूपी में एमबीबीएस सीटों की संख्या 10,000 से ज्यादा होने की उम्मीद है।

आईसीसी टी20 विश्वकप में आज होगा भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खिताबी मुकाबला

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में शनिवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खिताबी मुकाबला होगा। इसमें जीत के लिए दोनों ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। दोनों ही टीमें अब तक इस टूर्नामेंट में सभी मैच जीती हैं जिससे इनका मनोबल बढ़ा हुआ है। अब दोनों का ही लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फाइनल में जीत दर्ज करना रहेगा। दक्षिण अफ्रीका जहां पहली बार विश्वकप के फाइनल में पहुंची है। वहीं भारतीय टीम पिछले एक दशक से आईसीसी खिताब नहीं जीत पायी है। ऐसे में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम फाइनल जीतकर खिताबी सूखा समाप्त करना चाहेगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका भी अपना पहला खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। अपने फाइनल तक के अभियान में अभी दोनों टीमें सभी मैच जीती हैं पर बड़े टूर्नामेंटों के कई फाइनल मैचों को खेलने के अनुभव के कारण भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार रहेगी।

वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम दबाव में बिखरने के चोकर्स के अपने तमगे को पीछे छोड़कर फाइनल में पहुंची है और ऐसे में वह खिताबी मुकाबले में भी जीत चाहेगी।

भारतीय टीम इस मैच को जीतकर कोच राहुल द्रविड़ को एक अच्छी विदाई देना चाहेगी। जिन्होंने 2007 के कैरेबियाई देशों में खेले गये एकदिवसीय विश्व कप में टीम की कप्तानी की थी। इस विश्व कप में भारत शुरुआती चरण से बाहर हो गया था। ऐसे में जीत के साथ ही एक कोच के रूप में टीम उन्हें यादगार विदाई देने की कोशिश करेगी।

भारत निश्चित रूप से पिछले मैच के अंतिम एकादश को कायम रखेगा, लेकिन टीम को कम से कम दो खिलाड़ियों से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दिग्गज विराट कोहली अब तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और अब उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। रोहित इस मैच में भी आक्रामक अंदाज अपनाएंगे। भारतीय कप्तान को दबाव वाले मैच में शिवम दुबे से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद होगी। टूर्नामेंट में अब तक लचर प्रदर्शन के बाद भी वह केशव महाराज और तबरेज शम्सी जैसे स्पिनरों के खिलाफ बड़े शॉट खेलकर नायक बन सकते हैं। ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं तो हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा ने छोटी लेकिन प्रभावी पारियां खेली हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर कुलदीप यादव जबरदस्त लय में हैं। वहीं दूसरी ओर कप्तान एडेन मार्करम की दक्षिण अफ्रीकी टीम को क्विंटन डिकॉक और रीजा हेंड्रिक्स की सलामी जोड़ी से रनों की उम्मीद होगी। सुपर आठ में ये बड़ी टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके लेकिन फाइनल में टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन को तैयार होंगे। इस प्रारूप के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में शामिल हेनरिच क्लासेन भी टीम के लिए बड़ी पारी खेल सकते हैं। टीम के पास अच्छे गेंदबाज हैं। कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे के पास तेज गेंदबाजी जबकि तबरेज शम्सी और केशव महाराज के पास स्पिन विभाग की कमान रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होगा।

टीम

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह।

दक्षिण अफ्रीका = एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेट कीपर), रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे, तबरेज शम्सी।

गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर के ओलंपिक में खेलने पर संदेह

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के शीर्ष गोला फेंक खिलाड़ी गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह तूर ने टखने में दर्द के कारण राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से अपना नाम वापस ले लिया है। ये प्रतियोगिता आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अंतिम अवसर है। ऐसे में अब देखना होगा कि तूर को पेरिस ओलंपिक का टिकट मिलता है या नहीं। पिछले महीने ही भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने साफ कर दिया था कि ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए पेरिस ओलंपिक में चयन के लिए राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में भाग लेना अनिवार्य होगा। ऐसे में अब देखना है कि तूर का मामला किया प्रकार से हल किया जाता है।

कुछ दिन पहले तक एशियाई रिकॉर्ड धारक तूर विश्व रैंकिंग कोटा के जरिए पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करने की राह पर थे पर असफल रहे। वह गत एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। हालांकि, अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। तूर ने बताया कि अभी उनके टखने में थोड़ा दर्द है जिसकी वजह से डॉक्टर ने सिंह को तीन से चार हफ्तों तक थ्रो नहीं करने की सलाह दी है। तूर के नाम कुछ समय पहले तक 21.77 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड था। सऊदी अरब के मोहम्मद दाओबा तोलो ने 21 जून को मैड्रिड में एस्टाडियो वालेहर्मोसो प्रतियोगिता में 21.80 मीटर के प्रयास के साथ उनके रिकॉर्ड को तोड़ा। ऐसे में एथलेटिक्स महासंघ तूर के मामले को किस प्रकार संभालता है।

टी20 में स्ट्राइक रेट पर अधिक जोर दिया जा रहा : मिलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डेविड मिलर ने कहा है कि जिस प्रकार से आजकल टी20 क्रिकेट हो रहा है और स्ट्राइक रेट पर ही जोर दिया जा रहा है। उस स्थिति में आने वाले समय में खिलाड़ी बेहतर औसत नहीं बल्कि तेजी से खेलने की क्षमता के आधार पर ही चयनित किये जाएंगे। मिलर पिछले कुछ साल में फिनिशर की भूमिका में ही नजर आये हैं। मिलर ने कहा, 'हमने इस साल कुछ बड़े स्कोर देखे हैं। कुछ टीमों के साथ ही कुछ खिलाड़ियों ने जबरदस्त बल्लेबाजी की है। मैंने हमेशा देखा है कि हर कोई बल्लेबाज को औसत के आधार पर आंकता है।

साथ ही कहा, 'टी20 क्रिकेट में किसी को पूरी तरह से इस आधार पर आंकना कठिन हो सकता है। शीर्ष तीन बल्लेबाजों के साथ निश्चित रूप से आप ऐसा कर सकते हैं, उन्हें बल्लेबाजी करने के लिए मिलने वाले ओवरों की संख्या पर्याप्त होती है। वहीं मध्य क्रम की बात आती है तो यह हमेशा स्ट्राइक रेट और बल्लेबाज के खेल का मैच पर पड़ने वाले प्रभाव की बात होती है, ऐसे में मुझे लगता है कि लोगों को मैच जीतने की क्षमता के आधार पर टीमों का चयन करना होगा।

द्रविड़ और रोहित ने कोहली का समर्थन किया, कहा- टी20 विश्व कप फाइनल में बड़ी पारी खेलेंगे

जॉर्जटाउन (गयाना) (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा ने खराब फॉर्म में चल रहे विराट कोहली का समर्थन करते हुए उम्मीद जताई कि यह स्टाइलिश बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप के फाइनल में बड़ी पारी खेलेगा। टी20 विश्व कप से पहले आईपीएल में सर्वाधिक 741 रन बनाने वाले कोहली इस टूर्नामेंट में अभी तक सात पारियों में केवल 75 रन बना पाए हैं।

द्रविड़ ने सेमीफाइनल में भारत की इंग्लैंड पर 68 रन की जीत के बाद कहा, 'आपने देखा होगा कि जब भी विराट थोड़ा जोखिम भरा क्रिकेट खेलते हैं तो हो सकता है कि कुछ अवसरों पर उन्हें सफलता न मिले।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने वास्तव में अच्छा छक्का जड़ा लेकिन भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया और गेंद को थोड़ा ज्यादा मूवमेंट मिल गया। लेकिन जिस तरह से वह खेलते हैं, वह मुझे पसंद है।'

द्रविड़ ने कहा, 'मैं इसमें किसी तरह का मिथक नहीं जोड़ना चाहता हूं लेकिन मुझे उम्मीद है कि वह जल्द ही बड़ी पारी खेलेंगे। मुझे उनका रवैया और समर्पण पसंद है।' कप्तान रोहित ने भी उम्मीद जताई कि कोहली फाइनल में बड़ी पारी खेलने सफल रहेंगे।

रोहित ने कहा, 'वह बेहतरीन खिलाड़ी है। कोई भी खिलाड़ी इस तरह के दौर से गुजर सकता है। हम समझते हैं कि वह कितना कुशल खिलाड़ी है और हम बड़े मैचों में उनके महत्व को समझते हैं।' उन्होंने कहा, 'फॉर्म कभी कोई समस्या नहीं रही क्योंकि जब आप 15 साल से क्रिकेट खेलते रहे हों तो फॉर्म समस्या नहीं बनती। वह शानदार लय में दिख रहे हैं। उनके इरादे स्पष्ट हैं। संभवतः उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन फाइनल के लिए बचा कर रखा है।'

टूर्नामेंट में अभी तक तीन अर्धशतक की मदद से 248 रन बनाने वाले रोहित भारत के पहले ऐसे कप्तान हैं जिनकी अगुवाई में टीम 12 महीने के अंदर तीसरी बार आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के फाइनल में खेलेगी। भारत ने पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी।

द्रविड़ ने रोहित की प्रशंसा करते हुए कहा, 'मैं उनके बारे में जो कुछ भी कहूंगा वह कम होगा। जिस तरह से उन्होंने टीम के साथ काम किया, उनकी रणनीति, उनकी परिपक्वता और टीम के प्रति उनका रवैया के बारे में जितना भी कहा जाए कम होगा।'

व्यक्तिगत प्रदर्शन महत्वपूर्ण होता है लेकिन रोहित ने कहा कि सामूहिक प्रयास से मैच जीतना संतोषप्रद रहा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने परिस्थितियों से अच्छी तरह तालमेल बिठाया। परिस्थितियां थोड़ी चुनौती पूर्ण थी। हमने उनसे सामंजस्य बिठाया और यह अब तक हमारी सफलता की कहानी है। आप जानते हैं कि इस मैच तक हमने वास्तव में परिस्थितियों से अच्छी तरह से तालमेल बिठाया है।'

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले फाइनल के बारे में पूछे जाने पर रोहित ने कहा, 'हमें पूरे 40 ओवर तक अच्छे फैसले करने होंगे और इससे हमें मैच अपने पक्ष में करने में मदद मिलेगी। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में भी हम शांत थे।' उन्होंने कहा, 'मैं यही कह सकता हूं कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। टीम अच्छी लय में है और हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यही उम्मीद कर सकता हूं कि हम फाइनल में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे।'

सचिन, हरभजन और युवराज ने अक्षर और कुलदीप को दिया जीत का श्रेय, सेमीफाइनल में पहुंचने पर टीम को बधाई दी

गयाना । महान बल्लेबाज सचिन तेंदलुकर के अलावा दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भारतीय टीम को टी20 विश्वकप के फाइनल में पहुंचने पर बधाई दी है। इसके साथ ही जीत में अहम भूमिका निभाने के लिए अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की अहम भूमिका की सराहना की है। सचिन ने कहा, कठिन पिच पर भारतीय टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 171 रन बनाए। अक्षर पटेल ने अपने पहले 3 ओवर की पहली गेंद पर अहम विकेट लिए जबकि कुलदीप यादव ने बीच के ओवरों में जबरदस्त गेंदबाजी को इंग्लैंड को दबाव में ला दिया। सचिन ने कहा कि हमारा कुल स्कोर 171 रन था जो इंग्लैंड के 167 के बराबर स्कोर से थोड़ा ही अधिक था, पर हमारी गेंदबाजी ने उसे बेहतर बना दिया। वहीं मनोज तिवारी ने कहा, रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम लगातार दूसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंची है। इससे साफ है कि रोहित की टीम ने फिर से बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन किया है। स्पिनरों के साथ ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी कमाल की गेंदबाजी की। वहीं हरभजन ने कहा, फ्र फाइनल में पहुंचने के लिए टीम इंडिया को बधाई। बढ़िया खेला कप्तान रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव। वहीं शानदार गेंदबाजी अक्षर पटेल और कुलदीप यादव व जसप्रीत बुमराह।

रहाणे अब लीसेस्टरशर की ओर से खेलेंगे

लीसेस्टर। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे अब इंग्लैंड में लीसेस्टरशर के लिए काउंटी चैम्पियनशिप और वन डे कप खेलते हुए नजर आयेंगे। रहाणे ने इस सत्र के दूसरे भाग के लिए लीसेस्टरशर के साथ करार किया है। क्लब के अनुसार रहाणे काउंटी चैम्पियनशिप के अंतिम पांच मैचों में खेलने के साथ ही वन डे कप में भी खेलेंगे। वह अगले माह जुलाई में टीम से जुड़ेंगे। गौरतलब है कि लीसेस्टरशर की टीम वन डे कप की गत चैम्पियन है। रहाणे टीम में 36 वर्षीय खिलाडी वियान मुल्डर की जगह लेंगे। मुल्डर ने अपना नाम वापस ले लिया है। वह अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के साथ वेस्टइंडीज दौरे जा रहे हैं। रहाणे ने अब तक अपने करियर में सभी प्रारूपों (प्रथम श्रेणी, लिस्ट-ए और टी20) में 51 शतक की मदद से 26,000 से अधिक रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 265 रन रहा है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए सभी प्रारूप में 15 शतकों के साथ 8000 से अधिक रन बनाए हैं। रहाणे ने करार पर खुशी जताते हुए कहा, 'मैं लीसेस्टरशर की टीम से जुड़कर काफी उत्साहित हूं और इस सत्र में टीम से जुड़ने का इंतजार कर रहा हूं। मैंने पिछले साल टीम के परिणामों को देखा और उससे काफी प्रभावित हुआ। मुझे उम्मीद है कि मैं अपनी क्रिकेट का आनंद लूंगा और इस सत्र में क्लब की अधिक सफलता में योगदान दूंगा। रहाणे जुलाई के मध्य में टीम से जुड़ेंगे। वहीं लीसेस्टरशर के क्रिकेट निदेशक क्लाउड हेंडरसन ने कहा, 'हम लीसेस्टरशर में रहाणे जैसे शानदार खिलाड़ी का स्वागत करने के उत्सुक हैं। उनके पास अपार अनुभव है जिससे हमारी टीम को लाभ होगा।

शेफाली वर्मा ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में ठोका सबसे तेज दोहरा शतक

चेन्नई (एजेंसी)। भारत की आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाली खिलाड़ी बन गई।

20 साल की शैफाली ने सिर्फ 194 गेंदों पर अपना दोहरा शतक पूरा कर सदरलैंड को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 248 गेंदों पर दोहरा शतक बनाया था। शेफाली भारत की पूर्व कप्तान कप्तान मिताली राज के बाद लगभग 22 वर्षों के लंबे समय अंतराल पर टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाली दूसरी भारतीय भी बनीं। मिताली ने अगस्त 2002 में टॉन्टन में इंग्लैंड के खिलाफ ड्रा हुए दूसरे टेस्ट के दौरान 407 गेंदों पर 214 रन बनाए थे।

शेफाली ने अपनी आक्रामक पारी में 23 चौके और आठ छक्के जड़े। उन्होंने डेलमी टकर के खिलाफ लगातार दो छक्के लगाने के बाद एक रन चुराकर अपना दोहरा शतक पूरा किया। वह 197 गेंद में 205 रन बनाकर रन आउट हुईं। शेफाली को सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 161 गेंद में 27 चौके और एक छक्का लगाया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 312 गेंद में रिकॉर्ड 292 रन की साझेदारी कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई।

दक्षिण अफ्रीका को हराना मुश्किल होगा- टी20 विश्व कप फाइनल पर रिकी पोंटिंग की दो टूक

बुखारेस्ट। (एजेंसी)। नई दिल्ली = ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना ??है कि दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ फाइनल में कुछ खास करने की जरूरत नहीं है। भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों टूर्नामेंट में अब तक अजेय रहने के साथ फाइनल में उतरेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने टूर्नामेंट में अपने ऐतिहासिक सफर में सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराया, जबकि भारत ने सेमीफाइनल में गत चैंपियन इंग्लैंड को हराकर 2011 के बाद अपना पहला विश्व कप खिताब जीता।

एडेन मार्कराम की अगुवाई वाली टीम अपना पहला विश्व कप फाइनल खेलेगी और पोंटिंग को लगता है कि यह प्रोटियाज खिलाड़ियों के लिए एक बहुत बड़ा अवसर है। पोंटिंग ने कहा कि बहुत-सी टीमें कहती हैं %यह सिर्फ एक और खेल है% और वे इस अवसर से बचने की कोशिश करती हैं कि यह कितना बड़ा अवसर है। यह सब इसे वैसे ही स्वीकार करने के बारे में है जैसा यह है। उन्होंने कहा कि ये खिलाड़ी पहले वहां नहीं गए हैं, इसलिए आज रात का आनंद लें, कल का आनंद लें। सुनिश्चित करें कि आप जो कुछ भी नेतृत्व करते हैं वह वही है और आपकी तैयारी भी वही है।

पोंटिंग ने कहा कि टूर्नामेंट में अब तक के बढ़िया प्रदर्शन के बाद दक्षिण अफ्रीका फाइनल में भारत के खिलाफ अपने कौशल का समर्थन करना जारी रखेगा। वे यहां तक ??अपराजित हैं, इसलिए उन्हें कुछ भी बदलने की जरूरत नहीं है और उन्हें और अधिक प्रयास करने की जरूरत नहीं है। उन्हें बस आगे बढ़ने और खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने और एक टीम के रूप में खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने की जरूरत है। दिन और खुद को सर्वश्रेष्ठ मौका दें अगर वे ऐसा करते हैं, तो उन्हें हराना मुश्किल होगा।

बता दें कि भारत और दक्षिण अफ्रीका शनिवार, 29 जून को बारबाडोस में फाइनल के दौरान आमने-सामने होंगे। दक्षिण अफ्रीका ने फाइनल तक पहुंचने के लिए अपने सभी मुकाबले जीते हैं। वहीं, भारतीय टीम भी अब तक अजेय रही है।

रिलायंस फाउंडेशन ने पेरिस ओलंपिक के लिए बनाया इंडिया हाउस

नई दिल्ली। रिलायंस फाउंडेशन ने आगामी ओलंपिक खेलों को देखते हुए पेरिस में 'इंडिया हाउस' बनाया है। ये हाउस भारतीय ओलंपिक संघ के सहयोग से पेरिस के पार्क डे ला विलेट में बनाया गया है। इस पार्क में इंडिया हाउस के अलावा नीदरलैंड, कनाडा, ब्राजील और मेजबान फ्रांस समेत 14 देशों के कंट्री हाउस भी हैं। आईओसी की सदस्य और रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर नीता एम.अंबानी ने इंडिया हाउस बनाने पर खुशी जताते हुए कहा कि पेरिस ओलंपिक खेलों में पहली बार इंडिया हाउस की घोषणा करते हुए मैं बेहद खुश और उत्साहित हूं। यह एक ऐसा स्थान होगा जहां हम अपने एथलीटों का सम्मान कर सकेंगे व अपनी टीम की जीत की खुशी मनाएंगे, अपनी कहानियाँ साझा करेंगे और दुनिया भर को भारतीयता के रंग में रंग देंगे। वहीं भारतीय ओलंपिक संघ की प्रमुख पीटी उषा ने कहा कि रिलायंस फाउंडेशन के साथ साझेदारी में इंडिया हाउस का उद्घाटन, पेरिस ओलंपिक में भारतीय प्रशंसकों और एथलीटों के लिए मुख्य आकर्षणों में से एक होगा। मैं इस पहल और भारत के ओलंपिक आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए आईओसी की सदस्य नीता अंबानी को धन्यवाद देना चाहूंगी। इंडिया हाउस में खेल प्रशंसकों के लिए विशेष वॉच पार्टियां आयोजित की जाएंगी।

फ्लावर और मूडी ने तारोबा की पिच को खराब बताया

-यहीं हुआ था दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान का मुकाबला

तारोबा। जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एंडी फ्लावर और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टॉम मूडी ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच यहा हुए पहले सेमीफाइनल की पिच खराब थी। फ्लावर के अनुसार असामान्य उछाल और सीम मूवमेंट के कारण इस पिच को खतरनाक कहा जा सकता है। इस पिच पर दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को केवल 56 रनों पर समेटने के बाद नौ विकेट से मुकाबला जीत लिया था। फ्लावर ने कहा कि आप टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने के अफगानिस्तान के फैसले को गलत नहीं मान सकते। वह इस टूर्नामेंट में पहले बल्लेबाजी कर लक्ष्य का बचाव करने के मामले में शानदार रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पिच पर हालांकि पहले बल्लेबाजी करना काफी कठिन था। आपको यह नहीं पता था कि इस पिच पर संघर्ष करने के लिए कितने रनों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि कुछ गेंदें बल्लेबाज के करीब टप्पा खाने के बावजूद कंधे और गर्दन तक उछल रही थी। ऐसी एक गेंद विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक के ऊपर से चार रन के लिए चली गयी। मैं इस बात को लेकर खुश हूं कि कोई चोटिल नहीं हुआ।

फ्लावर ने कहा कि पिच में मौजूद दरारों को देखकर पता चल गया था कि इसमें गेंदबाजों को असामान्य उछाल मिलेगा। उन्होंने कहा कि आपने स्क्वायर क्षेत्र के ऊपर से कुछ दिलचस्प दृश्य शॉट देखे और कुछ लोग इसे पूरी तरह से नई पिच बता रहे थे लेकिन अगर इस पिच की स्थिति खराब थी तो वे उस पिच का इस्तेमाल कर सकते थे जो पहले इस्तेमाल की गई थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया क्रिकेटर टॉम मूडी ने भी कहा कि मुझे नहीं लगता कि आप इस प्रकार की पिच को किसी भी खेल में देखना चाहेंगे। मैदान पर बल्लेबाजों और गेंदबाजों को समान सहायता मिलनी चाहिये।

टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं मिचेल मार्श

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का प्रदर्शन इस बार आईसीसी टी20 विश्वकप में खराब रहा और टीम सेमीफाइन में नहीं पहुंच पायी। उसे सुपर आठ में अफगानिस्तान जैसी नई टीम से भी हार का सामना करना पड़ा। उसके कप्तान मिचेल मार्श का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा। जिसके बाद से ही वह आलोचकों के निशाने पर हैं। मार्श की 2021 टी20 विश्वकप जीत में अहम भूमिका रही थी। इसी कारण उन्हें इस बार कप्तान बनाया गया था पर ये फैसला ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए नुकसानदेह रहा। टीम सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सकी। खराब कप्तानी के अलावा मार्श ने कई कैच भी छोड़े। वह 7 मैचों में 20.83 के औसत और 116.82 के स्ट्राइक रेट से 125 रन ही बना पायी। गेंदबाजी के लिए फिट घोषित किए जाने के बावजूद उन्होंने एक भी ओवर नहीं किया। उनकी फील्डिंग की तो जमकर आलोचना हुई। टूर्नामेंट के दौरान मार्श ने आधा दर्जन से अधिक कैच गिराये। इसमें से कुछ तो बेहद आसान थे। इसमें सुपर 8 में भारत के खिलाफ हार्दिक पंड्या का कैच भी शामिल था।

बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ फील्डिंग ऑस्ट्रेलिया टीम का मजबूत पहलू है पर टी20 विश्वकप 2024 में ऑस्/ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने 14 कैच गिरा दिये। 7 कैच तो मार्श ने ही गिरा दिये। स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच में ही उन्होंने 3 कैच छोड़े। टीम इंडिया के खिलाफ सुपर 8 के अहम मैच में मार्श ने एडम जंपा की गेंद पर बैकवर्ड पॉइंट पर पंड्या का आसान कैच छोड़ा था। पंड्या उस समय केवल 4 रन पर थे। यह कैच कंगारू टीम को महंगा पड़ा था। उसके बाद पंड्या ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों पर एक चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 27 रन बनाते हुए भारतीय टीम को 200 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस मैच में भारत के खिलाफ मिली इस हार के बाद ऑस्ट्रेलिया का सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी काफी कम होकर बांग्लादेश और अफगानिस्तान मुकाबले पर टिक गयीं थीं। वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में मिचेल स्टॉर्क की जगह एस्टन एगर को शामिल करने और पहले गेंदबाजी करने का मार्श का फैसला भी ऑस्ट्रेलिया के कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने सही नहीं माना था क्योंकि किंग्सटाउन मैदान पर टी20 विश्वकप में अब तक कभी भी दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम नहीं जीती थी। दूसरी पारी के दौरान पिच और धीमी हो जाती है। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में ऑस्ट्रेलिया को 21 रन की हार का सामना करना पड़ा था। कप्तान और प्लेयर के तौर पर नाकामी के अलावा मार्श का रवैया भी लोगों ने पसंद नहीं किया है। टीम की अफगानिस्तान के खिलाफ हार और भारत के खिलाफ अहम मैच से पहले, मार्श की बयानबाजी भी सही नहीं मानी गयी है।

समाचार गेट
TITLE CODE: HARHIN11369
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साईंप्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर-6 नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, निगर सेक्टर-61, ... (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक, कृष्ण शर्मा। ... सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ... न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: ... शर्मा, 9818180269, ईमेल : samachargate@gmail.com

मैं जैसी हूं, वैसी ही रहूंगी पौलोमी दास

बिग बॉस ओटीटी शो की कंटेस्टेंट एवं एक्ट्रेस पौलोमी दास ने कहा, मैं जैसी हूं, मैं वैसी ही रहूंगी। मैं इस जर्नी में खुद को खोना नहीं चाहती। इस शो के लिए हां कहने के पीछे की वजह के बारे में पौलोमी ने बताया, मैं कुछ महीने पहले तक तैयार नहीं थी, क्योंकि यह एक बहुत ही मुश्किल शो है। ऐसा नहीं है कि आप कुछ टास्क करके निश्चिंत हो जाएंगे। इस शो के लिए आपको मेंटली स्ट्रांग होना होगा। पौलोमी ने कहा, मुझे लगा कि इस शो का हिस्सा बनने का यही सही समय है, क्योंकि मेरी जिंदगी में कुछ ऐसा चल रहा था, कुछ ऐसी चीजें जो गड़बड़ा गईं, लेकिन कहीं न कहीं मेरे साथ जो हुआ वह सही था। इसलिए, मुझे शो के लिए हां कहना पड़ा। मुझे लगता है कि यह शो मुझे एक अलग इंसान बना देगा, और मुझे वह चीज भी देगा जिसकी मुझे तलाश है।मंत्र के बारे में बात करते हुए, पौलोमी ने कहा, मैं जैसी हू, मैं वैसी ही रहूंगी। मैं इस जर्नी में खुद को खोना नहीं चाहती। शो में मेंटल ब्रेकडाउन को हैंडल करने के बारे में पौलोमी ने कहा, मुझे लगता है कि मैं उस वक्त बस जोर से रो पड़ूंगी। अगर मुझे रोने की जरूरत है, तो मैं रो दूंगी, क्योंकि उसके बाद दिल शांत हो जाता है। अगर आप अपने इमोशन्स को बाहर निकालते हैं, तो आपके दिल के अंदर चीजें सुलझ जाती हैं। उन्होंने कहा, शो के अंदर मैं बहुत से लोगों का ऑब्जर्व करूंगी, और कभी-कभी अगर इसकी जरूरत हुई तो मैं उनसे सीखूंगी, लेकिन साथ ही मुझे उसमें पौलोमी का टच भी डालना होगा।बिग बॉस ओटीटी 3 में टीवी एक्टर साई केतन राव और सना मकबूल, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सना सुल्तान खान, विशाल पांडे और लवकेश कटारिया, वड़ा पाव गर्ल चंद्रिका दीक्षित, यूट्यूबर अरमान मलिक और उनकी दो पत्नियां पायल और कृतिका, एस्ट्रोलॉजर मुनीषा खटवानी, बॉक्सर नीरज गोयत, रैपर नावेद शेख उर्फ नैजी और यूट्यूब सेंसेशन शिवानी कुमारी जैसे कंटेस्टेंट्स हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार अनिल कपूर द्वारा होस्ट किया जाने वाला यह शो जियोसिनेमा प्रीमियम पर स्ट्रीम हो रहा है।

बता दें कि एक्ट्रेस-मॉडल बनने से पहले पौलमी मार्केटिंग मैनेजर के तौर पर काम करती थीं। उन्होंने बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर इंडस्ट्री में कदम रखा। वह एक्टिंग करना चाहती थीं, वह सांवले स्किन टोन की वजह से कई बार रिजेक्ट हुईं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और ऑडिशन दिया। वह 2016 में इंडियाज नेक्स्ट टॉप मॉडल के दूसरे सीजन में बतौर कंटेस्टेंट नजर आईं और फाइनलिस्ट बनीं। उसी साल वह स्टार प्लस के शो सुहानी सी एक लड़की में बेबी के किरदार में नजर आईं। उन्होंने दिल ही तो है में काम किया।

चुनाव हारने के बाद फिल्म की ओर लौटे निरहुआ

भोजपुरी इंडस्ट्री के सितारे एक्टर दिनेश लाल यादव यानी निरहुआ ने चुनाव में हारने के बाद सिनेमा की ओर फिर से अपना रुख कर लिया है। उन्होंने हाल ही में एक फिल्म संकल्प की शूटिंग पूरी की। बता दें कि निरहुआ ने आजमगढ़ सीट से चुनाव लड़ा था, जिसमें सपा नेता धर्मेंद्र यादव ने उन्हें करीब सत्तर हजार वोटों से हरा दिया। सिनेमा में वापस आने पर निरहुआ ने कहा, एक्टिंग मेरा मुख्य काम है, हमारी पार्टी भी कहती है कि जिस काम से पहचान मिलती है, उसको प्राथमिकता से करते रहना चाहिए। उसके साथ समाज के लिए भी वक्त निकालना चाहिए। जनता के आदेश से मैंने सेवा की और अब फिल्मों के माध्यम से उनका मनोरंजन करूंगा। उन्होंने कहा कि संकल्प की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। फिल्म बेहतरीन है और मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शकों को यह पसंद आएगी। निरहुआ ने संकल्प की कहानी के बारे में बात करते हुए कहा कि यह फिल्म एक आम आदमी के संघर्ष और उसके दृढ़ संकल्प पर आधारित है। उन्होंने कहा, मैं फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहा हूं और एक ऐसे युवक का किरदार निभा रहा हूं, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए कई मुश्किलों का सामना करता है। यह युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक फिल्म है। संकल्प राजघराना फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग अलग-अलग लोकेशन पर की गई है। फिल्म के निर्माताओं ने दावा किया कि इसमें शानदार गाने और दमदार म्यूजिक है। फिल्म मेकर आदित्य कुमार झा ने कहा कि निरहुआ ने पूरी टीम के साथ मिलकर बहुत मेहनत की है और उम्मीद है कि उनकी परफॉर्मेंस एक बार फिर दर्शकों को पसंद आएगी।

दिनेश विजान की मूवी में साथ आ रहे आयुष्मान खुराना और रश्मिका

निर्माता दिनेश विजान की हॉरर कॉमेडी फिल्म मुंज्या इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई कर रही है। कल्कि 2898एडी के प्रदर्शन से पूर्व फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 89 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर है। निर्देशक को पूरा विश्वास है कि उनकी फिल्म 100 करोड़ी क्लब में आसानी से शामिल होगी। वैसे वैश्विक स्तर पर फिल्म ने 100 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। प्रशंसकों को इसकी कहानी खूब पसंद आ रही है। फिल्म की सफलता से खुश निर्देशक आदित्य सतपोदार और दिनेश विजान एक और अनोखी हॉरर कॉमेडी बनाने के लिए तैयार हैं। अब दोनों मिलकर 'वैम्पायर्स ऑफ विजय नगर नामक एक अनोखी फिल्म लाने वाले हैं। अपनी इस फिल्म के लिए उन्होंने मुख्य भूमिका में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना को साइन किया है। यह जोड़ी पहली बार एक साथ किसी फिल्म में नजर आएगी। फिल्म की शूटिंग नवंबर से शुरू होगी। इससे पहले आयुष्मान, करण जौहर की अनटाइटल्ड स्पाई-थ्रिलर और अनुराग सिंह निर्देशित 'बॉर्डर 2' की शूटिंग पूरी करने वाले है। उनकी पिछली फिल्म पिछले साल आई 'ड्रीम गर्ल 2' थी। दूसरी ओर, रश्मिका साउथ इंडियन स्टार अल्लू अर्जुन के साथ 'पुष्पा 2' की शूटिंग पूरा करेंगी। 'पुष्पा 2' अब 6 दिसंबर को रिलीज होगी।

9 साल के फिल्मी कैरियर 1 हिट... फिर भी फीस 7 करोड़

आज हम आपको उस स्टार के बारे में बताते हैं, जो 1 साल की उम्र से फिल्मों में काम कर रहे हैं। लेकिन पूरे करियर में उन्होंने सिर्फ एक ही हिट फिल्म दी है, लेकिन उनका स्टारडम आज भी बरकरार है। अभिनेत्री को आज भी एक मूवी में काम करने के लिए करोड़ों की फीस मिलती है। वे कोई और नहीं बल्कि अखिल अक्किनेनी हैं। अखिल, साउथ फिल्म इंडस्ट्री के हाईएस्ट पेड सुपरस्टार नागार्जुन के बेटे और नागा चैतन्य के सौतेले भाई हैं। उनका जन्म कैलिफोर्निया में हुआ था। उन्होंने 16 साल की उम्र में अभियन को अपना करियर बनाया। अखिल अक्किनेनी ने महज 1 साल की उम्र में पिता की फिल्म में काम किया था। साल 1995 में नागार्जुन की फिल्म सिसिंदरी रिलीज हुई थी, जो असल में बेबीज डे आउट का हिंदी रीमेक था। फिल्म में अखिल पिता नागार्जुन के साथ नजर आए थे। बतौर लीड अभिनेता अपने करियर की शुरुआत करने से पहले अखिल अक्किनेनी ने फिल्म मनम में कैमियो किया था। उन्होंने साल 2015 में फिल्म अखिल से शुरुआत की। उनकी अभिनय की तारीफ हुई, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई। इसके बाद अखिल की दो फिल्में हैलो और मिस्टर मजनू भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। उन्हें बॉक्स ऑफिस पर पहली सफलता फिल्म मोस्ट एलिजिबल बैचलर से मिली, जिसमें पूजा हेगड़े ने भी काम किया था। यह फिल्म अखिल अक्किनेनी के 9 साल के पूरे करियर में उनकी एकमात्र हिट है।

सैयामी खेर करेगी सनी देओल के साथ स्क्रीन शेयर

बालीवुड एक्ट्रेस सैयामी खेर अपकमिंग फिल्म में सनी देओल के साथ काम करती नजर आएंगी। जब से बॉलीवुड एक्टर सनी देओल ने देश की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म को लेकर साउथ डायरेक्टर गोपीचंद मलिनेनी के साथ हाथ मिलाया है, तब से फैंस इस बात को जानने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं कि इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस कौन होंगी।

मेकर्स ने अब एक्ट्रेस के नाम से पर्दा उठा दिया है। सैयामी ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए कहा कि वह इस फिल्म का हिस्सा बनकर बेहद एक्साइटेड हैं। एक्ट्रेस ने कहा, सनी देओल के साथ काम करना सम्मान की बात है, यह सपना सच होने जैसा है। घूमर के बाद, यह प्रोजेक्ट मेरे करियर में बेहद अहमियत रखता है। इस कमर्शियल फिल्म की शूटिंग शुरू होने का इंतजार कर रही हूं। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मुझे यह अवसर मिला है। फिल्म के लिए गोपीचंद मलिनेनी का दृष्टिकोण वास्तव में बहुत शानदार है। मैं इस जर्नी के शुरू होने का इंतजार कर रही हूं। मुझ पर विश्वास करने और क्षमताओं को दिखाने का मौका देने के लिए मैं निर्माताओं की आभारी हूं।

फिल्म को ऑफिशियल तौर पर 20 जून को हैदराबाद में लॉन्च किया गया था। शूटिंग 22 जून से शुरू होने वाली है।प्रोडक्शन बैनर माइथ्री मूवी मेकर्स ने एक्स पर फिल्म की घोषणा की और लिखा, देश की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म के लिए तैयार हो जाइए- एसडीजीएम, स्टारिंग एक्शन सुपरस्टार सनी देओल। ट्वीट में आगे कहा गया, मास फेस्ट लोड हो रहा है! शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। गोपीचंद मलिनेनी ने तेलुगु इंडस्ट्री में 2010 में एक्शन कॉमेडी फिल्म डॉन सीनू से निर्देशन में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने बॉडीगार्ड, बालूपु, पंडगा चेस्को, विनर और क्रैक जैसी फिल्मों को डायरेक्ट किया। वहीं वर्कफ्रंट की बात करें तो सनी जल्द ही ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर के सीक्वल में भी नजर आएंगे। हाल ही में, बॉर्डर फिल्म ने अपने रिलीज के 27 साल पूरे किए। फिल्म 13 जून 1997 में रिलीज हुई थी। बॉर्डर 2 की अनाउंसमेंट करते हुए सनी ने लिखा, एक फौजी अपने 27 साल पुराने वादे को पूरा करने आ रहा है फिर सेज्इंडिया की सबसे बड़ी वॉर फिल्म बॉर्डर 2..। सनी के झोली में बाप, सूर्या और अपने 2 जैसी फिल्में भी हैं। बता दें कि अपकमिंग फिल्म का नाम अभी फाइनल नहीं हुआ है, इसलिए इस फिल्म को फिलहाल एसडीजीएम कहा जा रहा है। यह दो नामों सनी देओल और गोपीचंद मलिनेनी से मिलकर बना है।

धर्मेंद्र के डूबते कैरियर को.... नई अभिनेत्री ने बचाया था

80 के दशक में जब धर्मेंद्र लगातार फ्लॉप फिल्म दे रहे थे, तब कॉमेडी फिल्म नौकर बीवी का ने उनकी डूबती नईया को पार लगाया था। फिल्म के जरिए धर्मेंद्र ने फिर से अपनी चमक वापस पाई थी। उनके करियर के लिए अनिता काफी लकी साबित हुई थी। कहा जाता है कि यह वहीं फिल्म जब धर्मेंद्र का नाम न्यू कमर अभिनेत्री अनीता राज संग जोड़ा गया था। शादीशुदा होते हुए धर्मेंद्र अनिता को डेट करने लगे थे। इसके साथ ही वह डायरेक्टर्स से उनके लिए सिफारिश भी करने लगे थे। रिपोर्ट के अनुसार, नौकर बीवी का धर्मेंद्र और अनीता राज की साथ में पहली फिल्म थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान ही धर्मेंद्र और अनीता राज के अफेयर की खबरें सामने आई थीं। 1986 में करिश्मा कुदरत का धर्मेंद्र के साथ अनिता की आखिरी फिल्म थी। फिल्म में दो लीड हीरोइन थी। हालांकि फिल्म में रीना रॉय को कम टाइम स्पेस मिला था। वहीं नई नवेली होने के बाद भी अनिता राज को रीना से ज्यादा स्क्रीन स्पेस मिला था। फिल्म जब रिलीज हुई रीना से हीं ज्यादा लोगों ने अनिता को पसंद किया। कुल मिलाकर फिल्म में रीना रॉय पर अनिता भारी पड़ी थी। बता दें कि डायरेक्टर राजकुमार कोहली संग रीना रॉय की दूसरी फिल्म थी। इससे पहले रीना ने फिल्म कोहली की ब्लॉबस्टर फिल्म नागिन में काम किया था। नौकर बीवी का रीना रॉय के करियर के आखिरी फिल्म थी। फिल्म के बाद रीना ने शादी कर फिल्में करना छोड़ दी थीं। रिपोर्ट के अनुसार, अनिता इस फिल्म की पहली पसंद नहीं थीं। उनसे पहले फिल्म को जयाप्रदा को ऑफर किया गया था। हालांकि जया पहले से ही अन्य प्रोजेक्ट में बिजी थीं इसलिए उन्होंने ये फिल्म करने से मना कर दिया था।

हर इंसान दो पत्नियां चाहता है, देवोलीना भट्टाचार्जी ने जताई आपत्ति

'बिग बॉस हमेशा से ही खबरों में चर्चा का विषय रहा है। इस शो में भाग लेने वाले अरमान मलिक को सबसे ज्यादा विरोध का सामना करना पड़ रहा है। शो में केवल वे ही नहीं उनकी दोनों पत्नियां पायल मलिक और कृतिका मलिक को भी लोग ट्रोल कर रहे हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में अरमान ने कहा था कि 'हर आदमी अपने जीवन में दो पत्नियां चाहता है। अब उनके इस बयान पर बिग बॉस फेम देवोलीना भट्टाचार्जी ने आपत्ति जताई है। देवोलीना ने अरमान के बयान को गलत और बेहूदा है और कहा कि उनके उनके इरादे 'अश्लील' हैं।

देवोलीना ने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो साझा जिसमें अरमान मलिक यह कहते हुए सुने जा सकते हैं कि हर आदमी दो पत्नियां चाहता है। यह बात 'साथ निभाना साथिया' की अभिनेत्री को पसंद नहीं आई और उन्होंने अरमान की खिंचाई का दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'मैं हर आदमी के बारे में तो नहीं कह सकती, लेकिन जो लोग गंदे इरादे रखते हैं, वे 2, 3 या 4 पत्नियां रखना चाहते होंगे। भगवान के लिए यह बंद करो। किसी दिन अगर वही पत्नियां कहने लगें कि उन्हें भी 2-2 पति चाहिए, तो उसे भी देखना अच्छा लगेगा। देवोलीना आगे लिखती हैं कि किसी दिन कोई लड़की कहेगी कि वह दो पति रखना चाहती है और उन्हें खुश रखेगी, तब मैं देखूंगी कि आप जैसे कितने लोग उसका समर्थन करते हैं। वही लोग सबसे पहले चरित्र हनन में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। एक समाज के रूप में, हम पहले से ही एक विनाशकारी रास्ते पर हैं और हां, सिर्फ इसलिए कि एक गलती सालों से हो रही है, इसका मतलब यह नहीं है कि इसे जारी रहना चाहिए। मेरी नजर में, यह गलत है, बहुविवाह गलत है और यह हमेशा गलत ही रहेगा लेकिन क्या करें कुछ ऐसा कि जब तक खुद नहीं चुकाया जाता तब तक समझ नहीं आता। इससे पहले देवोलीना ने बिग बॉस ओटीटी 3 के मेकर्स से अरमान के घर में शामिल होने को लेकर भी सवाल किया था और कहा था कि उनका मानना ??है कि इस तरह का कंटेंट मनोरंजन नहीं है। देवोलीना ने पोस्ट में लिखा- अरमान और उनकी पत्नियों की शो में एंट्री की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि क्या आपको लगता है कि ये मनोरंजन है? ये मनोरंजन नहीं, गंदगी है। इसे हल्के में लेने की गलती मत करो क्योंकि ये सिर्फ रील नहीं है, ये सच है। मैं समझ ही नहीं पा रहा हूं कि कोई इस बेशर्मी को मनोरंजन कैसे कह सकता है?